तापमान

अधिकतम-32°C

न्यूनतम-26°C

प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान से सम्मानित होते जिले के पांच शिक्षक 3

श्रीकृष्ण जन्माष्टमीः श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार हुई कान्हा की नगरी 4

वर्ष : 09 अंक :154 प्रयागराज, मंगलवार 05 सितम्बर 2023 www.prayagdarpanlive.com हिन्दी दैनिक पृष्ठ : 4 मूल्यः 3 रूपये

एक देश-एक चुनावः अधीर रंजन ने कमेटी का सदस्य बनने से किया इनकार, जयराम रमेश ने बताई वजह

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार के'एक राष्ट्र एक चुनाव के विचार को खारिज करते हुए इसे राज्यों पर हमला करार दिया और कहा कि यह देश की संघीय प्रणाली के विरुद्ध है। इससे पहले कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा और कहा,''जिसे 'एक राष्ट्र एक चुनाव कहा जा रहा है उस पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन एक अनुष्ठानिक अभ्यास है और इस काम की प्रक्रिया को सामने लाने का समय सन्देह पैदा करता है। इस संदर्भ में अपनाई गई शर्तें और सिफारिशें मनमानी से निर्धारित की गई हैं। समिति की संरचना भी अपने हिसाब से तय हुई हैं और इसी वजह से लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कल रात बहुत ही उचित तरीके से इस समिति का हिस्सा बनने से इनकार किया है। रमेश ने यह बात चौधरी की उस बयान के संदर्भ में कही जिसमें चौधरी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव् को लेकर गठित केंद्र की आठ सदस्यीय समिति का हिस्सा बनने के निमंत्रण को अस्वीकार करते हुए उसके इस कदम को देश के साथ धोखा बताया है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह को इस संदर्भ में शनिवार को लिखे अपने एक पत्र में कहा, ''मुझे उस समिति में काम करने से इनकार करने में कोई झिझक नहीं है, जिसकी शर्तें इसके निष्कर्षों की गारंटी के लिए तैयार की गई हैं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से एक धोखा है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव के मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है जिसमें गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद को सदस्य बनाया गया है। समिति में राज्यसभा में विपक्ष के मौजूदा नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को शामिल नहीं किया है और इस वजह से केंद्र सरकार कांग्रेस के निशाने पर है।

पांच साल में एक बार हुए चुनाव तो गैस सिलेंडर 5000 में मिलेगा, वन नेशन, वन इलेक्षन को लेकर केजरीवाल ने साधा मोदी पर निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को बड़ा बयान दिया है। जयपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि पांच साल में एक बार चुनाव हुआ तो गैस सिलेंडर पांच हजार रुपये का हो जाएगा। टमाटर 1500 रुपये किलो हो जाएगा। वह यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि हमारा नारा है, वन नेशन 20 इलेक्षन देश में हर तीसरे महीने चुनाव होने चाहिए। केजरीवाल ने कहा, मुझे दुःख होता है कि नौ साल प्रधानमंत्री रहने के बाद भी मोदी जी वन नेशन वन इलेक्षन पर वोट मांग रहे हैं। वन नेशन 100 इलेक्षन हो जाए, हमें उससे क्या करना है, आपको उससे क्या मिलेगा भाई साहब। नौ साल प्रधानमंत्री रहने के बाद भी अगर कोई वन नेशन वन इलेक्षन पर वोट मांगे तो इसका मतलब कोई काम नहीं किया। वन नेशन वन एजुकेशन, वन नेशन वन इलाज होना चाहिए। दिल्ली के सीएम ने पीएम मोदी पर अपना हमला जारी रखा और आगे कहा, मैंने बहुत सोचा कि मोदी जी ऐसा क्यों कह रहे हैं। पांच साल में नेता तभी आपके पास आता है, जब चुनाव होता है। हमारे देश में हर छह महीने में चुनाव होते हैं, मोदी जी को इससे तकलीफ है कि हर छह महीने में जनता के बीच जाना पड़ रहा है। अगर पांच साल में एक बार चुनाव कर दिया तो सिलेंडर पांच हजार का मिलेगा और पांच साल बाद मोदी बोलेंगे कि 200 कम कर दिया। मेरी तो मांग है, मेरा नारा है कि वन नेशन 20 इलेक्षन हो, हर तीसरे महीने चुनाव हो, ये शक्ल दिखाने तो आएंगे, ये कुछ तो देकर जाएंगे।

वन नेशन-वन इलैक्षन मोदी सरकार का विरोधी दलों पर अचूक राजनीतिक

पठानकोट। एक ओर इन दिनों गहन चर्चा जो चल रही है जो हरेक के मुंह पर है, वो समय की पूर्व आम लोकसभा चुनाव का सम्पन्न कों होना है। हालांकि लोकसभा चुनाव को त फ्लिहाल पौने वर्ष का समय बचा है। तय समयावधि भी 2024 मध्यांतर तक ना है परन्तु जिस प्रकार निर्धारित समयावधि 5 से पहले चुनाव के स्वर मुखर हो रहे हैं। तथा केन्द्र में तीसरी बार सत्ता पाने को आतुर भाजपा नेतागण के साथ खुद प्रधानमंत्री मोदी जोर-शोर से वकालत कर रहे हैं, उससे कांग्रेस विपक्षी गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए. में शामिल दलों में खलबली मच गई है। सर पर खड़े लोकसभा चुनाव से ऐन पहले केन्द्र सरकार का पन्न उपरोक्त ऐलान निश्चित रूप को से कम से कम विरोधी है। दलों के गले की फांस बनता जा रहा है। यू.पी.ए. से आई.एन.डी.आई.ए. अलायंस का कुनबा बढ़ने के बाद से उत्साहित कांग्रेस सहित सभी उनके सहयोगी दल जो आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन बनने के बाद से काफी उत्साहित थे तथा उक्त गठबंधन बनने जिसमें असंख्य विरोधी विचारधारा होने के बाद विजयी मोदी रथ पर सवार भाजपा को परास्त करने के लिए कांग्रेस यहां तक कि आप भी एक मंच पर साझा करने को एक साथ आ गए हैं, उन्हें उम्मीद बंधी थी कि देर से ही सही एक ऐसा से मोर्चा विरोधी दलों ने खोल दिया है जिसे का वे सत्ता हथिया सकते हैं तथा एन.डी.ए. का तीसरी बार केन्द्र की सत्ता में आने का सपना तोड़ सकते हैं। एन.डी.ए. सरकार के इस पैंतरे से-उत्साहित विपक्षी दल एक बार फ्रि पस्त होते नजर आ रहे हैं। चूंकि आगामी समय में 3 प्रदेशों में विधानसभा चुनाव है जोकि इस वर्ष तक होने है। इसके बाद जम्मू व लद्दाख जोकि मोदी सरकार द्वारा धारा 370 हटाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश बनाए गए हैं, को पूर्ण राज्य देना व वहां चुनाव सम्पन्न होने हैं तथा भाजपा यहां हिन्दी पट्टी के 3 प्रदेशों को किसी भी सूरत सत्ता अधिकार से बाहर नहीं जाने देना चाहती, वहीं जम्मू-कश्मीर पर भी सत्ता हासिल करने की एन.डी.ए. सरकार की नजर है। इन राज्यों में भी केन्द्र सरकार मोदी बनाम विपक्ष बनाना चाहिए तथा स्टेट नेतृत्व के चेहरों पर नहीं लड़ना चाहती है, क्योंकि राज्य नेतृत्व के चेहरों पर चुनाव लड़ने की स्थिति भाजपा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में नहीं बनाना चाहती है।

फैक्ट्री में लगी भीषण आग, दमकल की सात गाडियों ने पाया काबू

नोएडा। नोएडा में बीती देर रात लिफ्ट बनाने वाली एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते लपटें आसमान को छूने लगीं। फैक्ट्री में तैनात गार्ड ने इसकी सूचना लोकल पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने घंटो की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। फिलहाल इस घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं मिली।नोएडा के थाना फेज 1 कोतवाली के क्षेत्र में स्थित सेक्टर-3 में लिफ्ट बनाने वाली फैक्ट्री में देर रात आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की सात गाडियां मौके पर पहुंच गई और आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। जब आग लगी उस समय फैक्ट्री बंद थी। जिसके कारण किसी जनहानि या किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। लेकिन काफी समान जल कर खाक हो गया।सेक्टर-3 नोएडा में लोकपाल इंडस्ट्रियल फैक्ट्री जो लिफ्ट बनाने का काम करती है, उसमें देर रात अचानक आग लग गई। फैक्ट्री में तैनात गार्ड ने इसकी सूचना फायर स्टेशन को दी। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की सात गाडियां मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया।सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया कि देर रात करीब सवा 12 बजे सेक्टर-3 में स्थित लोकपाल इंडस्ट्रीज में आग लगने की सूचना मिली। फायर स्टेशन के नजदीक सेक्टर 3 में होने के कारण फायर ब्रिगेड की गाडियां जल्दी ही मौके पर पहुंच गई और लगभग 7 गाडियों की मदद से इस आग पर एक घंटे की भारी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। जलब आग लगी तो उस समय फैक्ट्री बंद थी। उसमें कोई काम नहीं हो रहा था, न ही कोई कर्मी वहां मौजूद था।इसलिए किसी भी जनहानि और किसी के घायल होने की भी सूचना नहीं है। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। आग किस कारण से लगी इसकी जांच की जा रही है।

खबरें एक नजर में

शॉपिंग मॉल की तीसरी मंजिल से गिरकर इवेंट मैनेजमेंट अधिकारी की मौत, अवसाद से पीड़िता था मृतक

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में कोलकाता के उत्तर-पूर्वी हिस्से में बिधाननगर में सिटी सेंटर शॉपिंग मॉल की तीसरी मंजिल से संदिग्ध रूप से गिरने के बाद तपन मंडल नाम का एक इवेंट मैनेजमेंट अधिकारी की मौत हो गई।पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना उत्तर 24 परगना जिले के सेक्टर 1 के डीसी ब्लॉक में सिटी सेंटर ढ्ढ शॉपिंग मॉल में रात में लगभग 10.30 बजे घटित हुयी। मृतक की प्रियंका मंडल ने पुलिस को बताया कि उन्हें अपने पति से एक संदेश मिला कि वह बिल्कुल भी दबाव नहीं ले सकते। पीड़ित एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के नए दफ्तर में कार्यरत था।पुलिस ने कहा, उस व्यक्ति को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसके परिवार ने बताया कि वह अवसाद से पीड़ित था दफ्तर में कुछ समस्याओं से जूझ रहा था। उन्होंने बताया कि शख्स ने मरने से पहले अपनी पत्नी को मैसेज किया था। परिवार हालाँकि यह मानने को तैयार नहीं है कि उसने आत्महत्या की है। इस घटना से शॉपिंग मॉल में दहशत फैल गई।पुलिस ने कहा कि वह मौत की वजहों की जांच कर रही है। मृतक की मां ने दावा किया कि उसका पुत्र आत्महत्या नहीं कर सकता। मृतक के परिवार में विधवा मां, पत्नी और एक नाबालिग पुत्री है।

बारामूला में लश्कर के 2 सहयोगी आतंकी गिरफ्तार, पाकिस्तानी आकाओं को देते थे जानकारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के 2 ओवरग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया और उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।पुलिस ने कहा, 3 सितंबर को एक विशिष्ट इनपुट मिलने पर एसओजी क्रेरी और 52 आरआर द्वारा शिर्कवाड़ा बस स्टॉप के पास शिर्कवाड़ा में एक संयुक्त नाका लगाया गया। नाका चेकिंग के दौरान, वागूरा ब्रिज की ओर से पैदल आ रहे दो व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई। पुलिस पार्टी और सुरक्षा बलों को देखकर, उक्त व्यक्तियों ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क नाका पार्टी ने उन्हें पकड़ लिया।प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, उन्होंने अपनी पहचान तौसीफ रमज़ान भट और मोइन अमीन भट उर्फ मोमिन के रूप में बताई, जो बारामूला के शीरी गांव, बड़ा मुल्ला के निवासी थे। मोइन अमीन भट के कब्जे से मैगजीन के साथ एक चीनी पिस्तौल और तौसीफ रमजान भट के पास से एक हथगोला बरामद किया गया। दोनों व्यक्ति लश्कर के ओजीडब्ल्यू हैं। पुलिस ने बताया, आरोपी लगातार लश्कर-ए-तैयबा के आकाओं के संपर्क में थे और सारी जानकारी पाकिस्तानी आतंकी आकाओं को देते थे।

तामिलनाडु में सामूहिक हत्याकांड, एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या

चेन्नई । तमिलनाडु के तिरुपुर में एक चौंकाने वाली घटना में दो महिलाओं समेत एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई।पुलिस के मुताबिक, स्थानीय व्यापारी सेंथिल कुमार ने अपने खाली प्लॉट पर शराब पीने वाले एक गिरोह के लोगों से पूछताछ की थी। इसके बाद झगड़ा शुरू हो गया और जो लोग नशे में थे, उन्होंने सेंथिल कुमार पर छुरी और दरांती से हमला कर दिया। उसके परिवार के सदस्यों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन गिरोह ने उन सभी पर बेरहमी से हमला किया और चारों की मौत हो गई।अन्य मृतकों की पहचान मोहनकुमार, रथिनम्बल और पुष्पावती के रूप में हुई। पल्लदम पुलिस मौके पर पहुंची और सेंथिल कुमार के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि ग्रामीणों ने अन्य के शवों को मौके से हटाने नहीं दिया।पुलिस ने कहा कि वे क्रूर हत्याओं के पीछे के मकसद की जांच कर रहे हैं और संदेह है कि इस क्रूर कृत्य के पीछे सेंथिल कुमार के एक पुराने कर्मचारी वेंकिट्सन और उसका गिरोह था।

अदानी-हिंडनबर्ग मामला : 15 को सेबी के ताजा स्टेटस रिपोर्ट पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट अदानी-हिंडनबर्ग मामले में भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा दायर ताजा स्टेटस रिपोर्ट पर 15 सितंबर को विचार करेगा। शीर्ष अदालत की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, सीजेआई डी.वाई.चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष 15 सितंबर को सुनवाई की संभावना है। 25 अगस्त को, बाजार नियामक ने एक ताजा स्टेटस रिपोर्ट में कहा कि उसने शीर्ष अदालत के आदेशों के अनुपालन में 24 मामलों की जांच की, और कहा कि सेबी अदानी-हिंडनबर्ग मामले में जांच के नतीजे के आधार पर उचित कार्रवाई करेगी।सेबी के कार्यकारी निदेशक वी.एस. सुंदरेसन द्वारा दायर स्टेटस रिपोर्ट में कहा गया,उक्त 24 जांचों में से 22 अंतिम प्रकृति की हैं और 2 अंतरिम प्रकृति की हैं। आज की तारीख में, उक्त 22 अंतिम जांच रिपोर्ट और 1 अंतरिम जांच रिपोर्ट को सेबी की मौजूदा प्रथा और प्रक्रियाओं के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया है। इसमें कहा गया है कि एक शेष मामले के संबंध में, अंतरिम निष्कर्ष सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित हैं और सेबी ने बाहरी एजेंसियों या संस्थाओं से जानकारी मांगी है।इसमें कहा गया है, ऐसी जानकारी प्राप्त होने पर उक्त मामलों में आगे की कार्रवाई, यदि कोई हो, निर्धारित करने के लिए अंतरिम जांच रिपोर्ट के साथ उसका मूल्यांकन किया जाएगा। 14 अगस्त को सेबी ने जांच प्रक्रिया पूरी करने और मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए 15 दिनों का विस्तार मांगा था।बाजार नियामक ने तब कहा था कि उक्त 24 जांचों/परीक्षाओं में से 17 अंतिम और पूर्ण हैं और सेबी की मौजूदा प्रथा और प्रक्रियाओं के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित हैं। इससे पहले, भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अदानी-हिंडनबर्ग मामले के संबंध में न्यायालय द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई विभिन्न सिफारिशों पर सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचार व्यक्त किया था।

चुनाव आयोग का दल भोपाल पहुंचा, तैयारियों की करेगा समीक्षा

भोपाल । मध्यप्रदेश विधानसभा आम निर्वाचन-2023 की तैयारियों की समीक्षा करने भारत निर्वाचन आयोग का दल भोपाल पहुंच गया है। यह दल तीन दिन तक भोपाल में रहेगा और इस दौरान चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने के साथ विभिन्न राजनीतिक दल व एजेंसियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेगा।देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय, निर्वाचन आयुक्त अरूण गोयल के साथ आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों का दल सोमवार की सुबह भोपाल पहुंचा। हवाई अडडे पर राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने अगवानी की।मुख्य निर्वाचन आयुक्त के नेतृत्व में तीन दिवसीय दौरे पर भोपाल में रहने वाला है। यह दल पहले दिन कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और एनफोर्समेंट एजेंसियों के साथ बैठक करेगा।आज ही रवीन्द्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार द्वारा विशेष कवर एनवलप, स्वीप कैलेंडर का अनावरण और मतदाता जागरुकता गीत जारी किया जाएगा। साथ ही युवा मतदाताओं को ईपिक कार्ड का वितरण भी होगा। इस मौके पर जनजाति कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।समीक्षा बैठक के दूसरे दिन पांच सितंबर को आयोग द्वारा सभी 52 जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक और सभी 10 संभागों के कमिश्नर एवं आईजी के साथ बैठक की जायेगी। मतदाता जागरूकता के लिए लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया जायेगा।तीसरे दिन 6 सितंबर को मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय और निर्वाचन आयुक्त अरूण गोयल, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस, पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना तथा विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिवों के साथ बैठक करेंगे।

अंधेरे में अपनी प्रेमिका से मिलने गांव पहुंचे प्रेमी को लोगों ने पकड़ा

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज जिले में एक युवक को रात के अंधेरे में अपनी प्रेमिका से मिलने उसके गांव जाना भारी पड़ गया। ग्रामीणों ने युवक को पकड़कर पहले तो उसकी जमकर पिटाई की, फिर हाथ-पैर बांधकर पूरी रात पीटते रहे। इस दौरान किसी ने युवक की पिटाई का वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और जांच-पड़ताल के लिए गांव पहुंची।मामला मांझा थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव का है। पुलिस ने बताया कि युवक गांव की रहने वाली एक लड़की से प्रेम-प्रसंग था। अक्सर युवक अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए आधी रात को गांव आता था, लेकिन लोग जान नहीं पाते थे। इस बार किसी ग्रामीण को इसकी भनक लग गई तो उसने इस बात को गांव वालों को बताया। इस पर गांव वाले रात के समय चौकन्ना हो गए और युवक के आने के इंतजार करने लगे। जैसे ही युवक गांव में अपनी प्रेमिका के घर में दाखिल हुआ, गांव वालों ने उसे पकड़ लिया।

जी20 सम्मेलन : दिल्ली में कई मेट्रो स्टेशनों के गेट रहेंगे बंद, एजवाइजरी जारी

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन 9 और 10 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में होने जा रहा है। आयोजन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इस सम्मेलन के लिए दिल्ली को शानदार तरीके से सजाया भी जा रहा है। इस दौरान पूरी राजधानी सुरक्षित किले में बदली जाएगी। सुरक्षा के लिहाज से कई सड़कें भी बंद रहेंगी। अब दिल्ली मेट्रो के कई स्टेशनों के गेट बंद करने का फैसला लिया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पहले ही इसके लिए एडवाइजरी जारी कर दी है। वहीं 8 से 10 सितंबर तक कई मेट्रो स्टेशनों के गेट भी बंद रहेंगे। दिल्ली पुलिस की मेट्रो यूनिट द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार 8 से 10 सितंबर तक VVIP रूट की तरफ खुलने वाले मेट्रो स्टेशनों के गेट बंद रहेंगे।एडवाइजरी के अनुसार इसमें सेंट्रल दिल्ली से लेकर साउथ दिल्ली तक के कई स्टेशन शामिल हैं। हालांकि इस दौरान मेट्रो सेवा बाधित नहीं होगी और पूरी तरह से इसका संचालन होगा। इस दौरान मोती बाग, भीकाजी कामा प्लेस, मुनिरका, आरके पुरम, आईआईटी, सदर बाजार और कैंटोनमेंट मेट्रो स्टेशन पर आवागमन बंद रहेगा।इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पूरी तरह से बंद रहेगा, क्योंकि यह आयोजन स्थल के सबसे नजदीक का मेट्रो स्टेशन है। सेंसिटिव मेट्रो स्टेशनों की बात करें तो इसमें धौला कुआं, खान मार्केट, जनपथ, सुप्रीम कोर्ट और भीकाजी कामा प्लेस को रखा गया है। बता दें कि जी-20 के आयोजन को देखते हुए 8 से 10 सितंबर तक दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक अवकाश की भी घोषणा की है। सम्मेलन की सुरक्षा को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। आयोजन स्थलों को फुलप्रूफ बनाने के लिए सुरक्षा एजेंसियां अपना प्लान बना रही हैं। इसके लिए सुरक्षा बल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ýI) मॉड्यूल का इस्तेमाल कर रही हैं। वहीं दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की भी अपनी तैयारी कर रही है। रियल टाइम ट्रैफिक अपडेट के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अपनी जी-20 वर्चुअल हेल्प डेस्क बनाई है।वहीं इस दौरान यूपी बॉर्डर से दिल्ली प्रवेश कई तरह के वाहनों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस श्रेणी के वाहनों को दिल्ली बॉर्डर पर ही रोक दिया जाएगा। वाहन चार दिनों तक या तो पार्किंग में खड़े रहेंगे या फिर ट्रांसपोर्ट की जगह खड़े रहेंगे। गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस जल्द ही संबंध में रूट प्लान जारी करेगी, जिससे वाहन चालकों को परेशानी न हो।गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस के अनुसार दिल्ली बॉर्डर के यूपी गेट, तुलसी निकेतन, सीमापुरी, आनंद विहार और लोनी बॉर्डर से चार दिनों तक भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। यातायात पुलिस ने रूट प्लान का ब्लूप्रिंट तैयार किया है। इस श्रेणी के वाहन चालकों को पार्किंग या ट्रांसपोर्ट की जगह में ही वाहन खड़े करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही, छोटे वाहनों के लिए भी एडवाइजरी जारी की गई है। विदेशी मेहमानों के मूवमेंट के दौरान हिंडन एयरपोर्ट सिविल टर्मिनल के आसपास से गुजरने वाले छोटे वाहनों को जगह-जगह रोक दिया जाएगा।

घाटी छोड़ दिल्ली पहुंचो... जी 20 से पहले कश्मीरी मुसलमानों को भड़का रहा आतंकी पन्नू

नई दिल्ली। भारत में जी-20 समिट की तैयारियां जोरों पर हैं और सुरक्षा चाक-चौबंद है। इस बीच केंद्रीय खुफिया एजेंसियां खालिस्तान की गतिविधियों पर भी नजर बनाए हुए हैं। इसमें दिल्ली पुलिस की भी मदद ली जा रही है, लेकिन खासतौर पर साइबर स्पेस में केंद्रीय एजेंसियों की नजर है। खबरें हैं कि खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस ने कई ऐसी वेबसाइट्स बना ली हैं, जिनके जरिए वह भारत की छवि को खराब करने की कोशिश में है। इन पर एजेंसियों की नजर है और लगाम कसी जा रही है। इन वेबसाइट्स पर आईटी ऐक्ट के सेक्शन 69 के तहत बैन लगाने की भी तैयारी है।पिछले साल प्रतिबंधित किए गए सिख्स फॉर जस्टिस संगठन लगातार किसानों और सिखों को उकसाने की कोशिश करता रहा है। पंजाब के अलावा यूपी, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों में भी लोगों को उकसाने की कोशिश खालिस्तानी संगठन करता रहा है। इसका सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू तो कश्मीर के मुसलमानों से भी अपील कर चुका है कि वे जी-20 समिट के दौरान प्रदर्शन करें। पिछले दिनों दिल्ली में कई जगहों पर दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखे पाए गए थे। जी-20 समिट से ठीक पहले इन हरकतों ने दिल्ली पुलिस के कान खड़े कर दिए थे।इसके बाद से ही अलर्ट रखा जा रहा है और पुलिस हर इलाके में नजर बनाए हुए है। अब खालिस्तान ऑनलाइन स्पेस में भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। जी-20 की आधिकारिक वेबसाइट जैसी ही उसने कई साइट्स लॉन्च कर दी हैं। इनमें वह ऐसी सामग्री भी अपलोड कर रहा है, जिससे भारत की छवि खराब हो। भारत में 8 से 10 सितंबर तक जी-20 समिट का आयोजन है और उससे पहले खुफिया एजेंसियां, दिल्ली पुलिस कोई कसर नहीं चाहते।

देश को संशय में डालती मोदी सरकार

संसदीय परम्पराओं की अवहेलना करने की आदी हो चुकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने अपनी इसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए देश के इतिहास में पहली बार ट्विट के जरिये संसद का विशेष सत्र बुलाकर साबित कर दिया है कि वह न केवल गैरजिम्मेदार है वरन उसका पारदर्शिता से भी कोई लेना-देना नहीं रह गया है। ऐसे वक्त में जब संयुक्त विपक्ष का गठबन्धन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूजिव एलाएंस) मुम्बई में 31 अगस्त व 1 सितम्बर को 2024 के लोकसभा की चुनावी रणनीति में व्यस्त था, केन्द्रीय संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी कि 18 से 22 सितम्बर को विशेष सत्र होगा। भले ही इस सूचना को इंडिया् उपेक्षित कर अपनी कार्यवाही में लगा रहा लेकिन यह एक तरह से देश को अंधेरे में रखने जैसा है क्योंकि यह कार्यप्रणाली किसी लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार की नहीं हो सकती। न ही यह इंडिया की बढ़ती एकता के जवाब में होनी चाहिये। इसे लेकर कई तरह के कयास हैं। इसमें वर्ष 2024 में होने जा रहे लोकसभा को समय से पहले करा लेने की सम्भावना से लेकर संविधान में संशोधन, चुनाव टाल देने या फिर मोदी को हमेशा के लिये पीएम बनाये जाने जैसी गुंजाइशें टटोली जा रही हैं। चीन द्वारा नया नक्शा जारी करना (जिसमें अरूणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा बताया गया है), मणिपुर हिंसा, गौतम अदानी को लेकर नये खुलासे, महंगाई आदि अनेक विषय हैं जिनके बारे में अनुमान व्यक्त किये जा रहे हैं कि इन मसलों पर सरकार कोई बात करना चाहती है। सही जानकारी किसी के भी पास नहीं है। फिर, हाल ही में तो संसद का सत्र हो चुका है। क्यों नहीं सरकार ने इन विषयों पर तब चर्चा कर ली? सवाल यह भी है कि क्यों लोगों या सांसदों को विषय को लेकर कयास लगाने के लिये छोड़ा जाये? क्यों नहीं सूचना के साथ ही विषय की जानकारी दे दी गई? संसद पर केवल सत्ता का हक नहीं है, जो अन्य लोगों को इसकी सूचना से वंचित रखा जाये। यह सत्र 5 दिनों का क्यों है, जबकि विशेष सत्र एकाध दिन के ही होते हैं? दुर्भाग्य से तमाशों के आयोजनों में पारंगत मोदी सरकार इसे भी इवेंट बना रही है। आखिरकार विशेष सत्र कोई मजाक नहीं होता और न ही उसे सत्तापक्ष का कोई विशेषाधिकार समझा जाये, बावजूद इसके कि सरकार को ऐसा करने का पूरा हक है। तो भी, इस अधिकार का प्रयोग बहुत गम्भीरता सेय और बेहद खास उद्देश्यों को लेकर होना चाहिये। विशेष सत्र का विषय क्या है, यह किन परिस्थितियों में आयोजित किया जा रहा है और इसे बुलाये जाने का प्रयोजन क्या है- यह सारा कुछ सरकार को बतलाना चाहिये था। यह सूचना प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से तथा बाकायदा एक अधिसूचना जारी कर नागरिकों को देनी थी। संसद पर पहला हक तो नागरिकों का होता है, चाहे वे स्वयं इसके प्रत्यक्ष सदस्य न हों। जो सदस्य दोनों सदनों में बैठते हैं वे अंततरू जनसामान्य की ही नुमाइंदगी करते हैं। सरकार को पहले तो इस पर सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिये थी फिर अपना उद्देश्य बतलाना चाहिये था। मोदी सरकार द्वारा संसदीय गरिमा व परम्पराओं को ध्वस्त करने की पूरी श्रृंखला है, जिसकी एक और कड़ी का सम्बन्ध इसी एपीसोड से है। सरकार ने एक समिति बनाई है जो एक देश एक चुनाव की योजना बनाकर सरकार को सौंपेगी। देश में पहली बार ऐसा हो रहा है कि एक सेवानिवृत्त राष्ट्रपति को किसी समिति का अध्यक्ष बनाकर सरकार के किसी विभाग को रिपोर्ट सौंपने की जिम्मेदारी दी गई है जो कभी सिर्फ उस विभाग का नहीं वरन पूरी सरकार का प्रमुख हुआ करता था। वास्तविकता में चाहे न हो लेकिन संवैधानिक परिभाषा के अनुसार तो वह राष्ट्राध्यक्ष ही है जिसके अधीन पूरा देश होता है। संसदीय प्रक्रिया के अंतर्गत खुद मोदी इन्हीं राष्ट्रपति के अंतर्गत काम कर चुके हैं। न यह कोई पूछने वाला है और न ही कोई बताने वाला कि आखिर एक पूर्व राष्ट्रपति कैसे किसी समिति का प्रमुख बनकर सरकार को कोई रिपोर्ट दे सकता है। कायदे से तो कोई व्यक्ति जिस दिन इस पद पर पहुंचता है, उसी दिन से वह दलगत राजनीति से ऊपर हो जाता हैय पर यह सब तभी सम्भव है जब किसी व्यक्ति या किसी राजनैतिक दल की ही आंखों का नहीं, किसी सरकार की आंखों का भी नहीं, बल्कि पूरे देश की आंखों का पानी मर जाये। अगर एक देश एक चुनाव की बात करें तो यह करा पाना बहुत कठिन है- प्रशासकीय और राजनैतिक दोनों कारणों से अव्यवहारिक। आजादी के बाद हुए पहले चार आम चुनावों के साथ विधानसभाओं के निर्वाचन हुए थे परन्तु तब की परिस्थितियां अलग थीं। आबादी कम थी, चुनावी हिंसा न्यूनतम थी। राजनैतिक दलों के बीच आज के जैसी वैमनस्यता भी नहीं थी। सबसे बड़ी बात कि चुनावों का आकार व स्वरूप विशाल नहीं था। इसके बावजूद अगर सरकार एक साथ चुनाव कराना ही चाहती है तो पहले वह इसके फायदे बतलाये। यह भी बताये कि सामान्य नागरिकों, विशेषकर मतदाताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी में डाले बगैर ये कैसे सम्पन्न होंगे। जब मणिपुर जैसे छोटे से राज्य की हिंसा को रोकने में सरकार 5 माह में भी सफल नहीं होती और ज्यादातर राज्यों के चुनाव कई चरणों में कराने पड़ते हैं, तो इतने बड़े देश में एक दिन में कैसे चुनाव हो सकते हैं। यह जानने का हक नागरिकों का हैय और बतलाना सरकार का कर्तव्य।

अद्वितीय आदित्य मिशन

चंद्रयान मिशन की कामयाबी के कुछ ही दिनों बाद भारत के सूर्य मिशन की कामयाबी ने पूरी दुनिया को चौंकाया है। सूर्य के अध्ययन के लिये भेजे गये आदित्य एल-1 मिशन के अंतर्गत अंतरिक्ष में एक ऑब्जर्वेटरी स्थापित की जाएगी, जिसके जरिये धरती के नजदीकी ग्रह सूर्य के कई रहस्यों से पर्दा उठाने की कोशिश की जाएगी। साथ ही अंतरिक्ष की कई हलचलों, मसलन सोलर विंड आदि का भी अध्ययन किया जायेगा। हालांकि यूरोपियन एजेंसी समेत कई देशों ने इस तरह के मिशन भेजे हैं, लेकिन भारत जैसे विकासशील देश द्वारा सीमित संसाधनों के साथ ये लक्ष्य हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। पीएसएलवी-सी 57 के जरिये अंतरिक्ष में भेजे गये आदित्य मिशन का बिलकुल सूर्य के पास जाना संभव नहीं है, लेकिन वह एक निर्धारित स्थान लैंगरेंज प्वाइंट से सूर्य की क्रियाओं का अध्ययन करेगा। दरअसल, लैंगरेंज प्वाइंट अंतरिक्ष में एक ऐसा स्थान है जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल संतुलित होता है। इस स्थान पर अंतरिक्ष यान में ईंधन की सबसे कम खपत होती है और वह अधिक समय तक काम कर सकता है। सात पेलोड्स लेकर गया यह यान सूर्य की सतह पर ऊर्जा व अंतरिक्ष की अन्य हलचलों का अध्ययन करेगा। इसके अलावा अंतरिक्ष के मौसम पर भी इसकी नजर रहेगी। निश्चित रूप से सौर हलचलों के अंतरिक्ष के मौसम पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में नई जानकारी मिल सकेगी। निस्संदेह, ये नई जानकारियां मानवता के कल्याण में मददगार बनेंगी।बहरहाल, इस कामयाबी से उत्साहित इसरो को आशा है इस मिशन के जरिये हम सूर्य के बारे में नई जानकारी जुटाने में कामयाब हो सकेंगे। ये तथ्य हमारी वैज्ञानिक उन्नति में भी सहायक बनेंगे। यह महत्वपूर्ण है कि महज चार साल में बेहद कम लागत में इसरो अपने इस महत्वाकांक्षी मिशन को मूर्त रूप दे पाया है। बेहद कम बजट में बड़े मिशनों को अंजाम देने की इसरो की विशेषता का पूरी दुनिया ने लोहा माना है। पिछले दिनों दुनिया की महाशक्ति रूस व अन्य बड़े देशों के मिशनों की विफलता से इतर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान का सफल मिशन भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा की कहानी कह रहा है। भारत की कामयाबी का एक अध्याय मंगल मिशन भी था। ऐसा करने वाला भारत एशिया का पहला देश था। इसी कड़ी में इसरो अपने महत्वाकांक्षी मानवयुक्त मिशन को अंतिम रूप देने में जुटा है। बहरहाल, रविवार को आदित्य एल-1 यान को दूसरी कक्षा में भेजकर इसरो ने बता दिया है कि मिशन सफलतापूर्वक अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। वैसे तो लैंगरेंज पॉइंट तक पहुंचने में आदित्य एल-1 को करीब चार माह का समय लगेगा। सर्वविदित है कि हमारे सोलर सिस्टम के केंद्र में स्थित सूर्य की अक्षय ऊर्जा से ही पृथ्वी पर जीवन संभव हो पाता है। अब इस मिशन से होने वाले अध्ययन से पता चल सकेगा कि सूर्य में होने वाले रासायनिक बदलाव हमारी धरती के जीवन व अंतरिक्ष को किस तरह प्रभावित करते हैं। धरती पर जीवन ऊर्जा के मुख्य स्रोत सूर्य के बारे में इस मिशन के जरिये मिलने वाली जानकारी निस्संदेह, मानवता के कल्याण में सहायक होगी।

एक साथ चुनाव की मंशा कब थी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक देश, एक चुनाव की बात करीब 10 साल से कह रहे हैं और चुनाव आयोग करीब 40 साल से कह रहा है। लेकिन पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की वास्तविक मंशा कभी नहीं दिखी। अगर प्रधानमंत्री मोदी या चुनाव आयोग की वास्तविक मंशा होती तो अब तक कुछ सार्थक पहल हुई होती। पिछले करीब 10 साल में हर साल चुनाव होते रहे और कभी यह सोचा गया कि कुछ राज्यों के चुनाव आगे पीछे करके उनको क्लब किया जाए और पूरे देश में एक बार में या ज्यादा से ज्यादा दो बार में चुनाव कराए जाए। अगर ऐसा सोचा गया होता तो अब तक इस लक्ष्य को हासिल कर लिया गया होता। लेकिन अभी तक इस आइडिया का इस्तेमाल सनसनी बनाने के लिए ही किया गया है।

सबसे पहले तो यह समझना चाहिए कि पूरे देश में एक साथ चुनाव कराया जा सकता है लेकिन यह सुनिश्चित करना बहुत मुश्किल है कि हर लोकसभा और हर विधानसभा अपना कार्यकाल पूरा करे। इसलिए किसी मुकाम पर गाड़ी पटरी से उतर सकती है, जैसे 1967 के बाद उतर गई थी। इसलिए ज्यादा व्यावहारिक यह है कि राज्यों के चुनाव को क्लब करके दो बार में कराया जाए। पांच साल में दो बार चुनाव कराए जा सकते हैं, जैसे अमेरिका में मिड टर्म के चुनाव होते हैं। अगर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग चाहते तो कई साल पहले ऐसा हो चुका होता। लेकिन पिछले 10 साल में हर साल दो-दो, चार-चार महीने के अंतराल पर चुनाव होते रहे।मिसाल के तौर पर इस साल के शुरू में त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड में चुनाव हुए। फिर मई में कर्नाटक के चुनाव हुए और नवंबर में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के चुनाव होने वाले हैं। अगले साल लोकसभा के साथ ओडिशा, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में चुनाव हैं और साल के अंत में तीन अलग अलग महीनों में महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के चुनाव हैं। अगर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग एक साथ चुनाव पर सीरियस होते तो थोड़ा आगे-पीछे करके इन 16 राज्यों के चुनाव और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराए जा सकते थे।

इसी तरह लोकसभा चुनाव के अगले साल यानी 2025 में जनवरी में दिल्ली में और नवंबर में बिहार में विधानसभा चुनाव होंगे। उसके अगले साल 2026 में तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, असम में चुनाव हैं। उसके अगले साल यानी 2027 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर, गोवा आदि राज्यों में चुनाव हैं। अगर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग गंभीरता से विचार करे तो इन इन तीन सालों में होने वाले चुनावों को क्लब करके एक साथ 2026 में चुनाव कराया जा सकता है। इस तरह एक चक्र बन जाएगा कि लोकसभा के साथ 16 राज्यों के चुनाव और उसके दो साल बाद बाकी राज्यों के चुनाव एक साथ हो जाएं। यह व्यावहारिक भी है लेकिन होगा तब जब मंशा सही होगी।

सिंगापुर के नए राष्ट्रपति

सिंगापुर के लोगों ने भारतीय मूल के थर्मन शनमुगरत्नम को अपना नया राष्ट्रपति चुन लिया है। थर्मन को रिकार्डतोड़70.4 फीसदी वोट हासिल हुए। उन्होंने वर्ष 2011 के बाद पहली बार हुए राष्ट्रपति चुनाव में चीनी मूल के दो प्रतिद्वंद्वियों को पराजित किया। अर्थशास्त्री थर्मन 2011 से 2019 तक सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री रहे हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जाने-माने राजनेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी से जुड़े रहे हैं। यद्यपि नस्लीय राजनीति केघ् लिए जानी जाने वाली च्सिंगापुर की पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने देंगे। लेकिन थर्मन शनमुगरत्नम ने राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन करघ् दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का च्विषय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा है कि भारत और सिंगापुर के द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में उनके साथ काम करने में उन्हें खुशी होगी। थर्मन शनमुगरत्नम की पर्सनल लाइफ देखें तो इनके परिवार के कुल 6 सदस्य हैं। उनकी पत्नी युमिको इटोगी ने उनके जीवन और करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके चार बच्चे हैं जिनका नाम माया, आकाश, कृष्ण और अर्जुन है। थर्मन शनमुगरत्नम के बच्चे अपने माता-पिता के नक्शेकदम पर चले हैं। सबसे बड़ा बच्चा माया एक सामाजिक उद्यमी और वकील है, जबकि दूसरा बच्चा आकाश एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। वहीं दो छोटे भाई-बहन कृष्ण और अर्जुन क्रमांक इकोनॉमिक, पॉलिटिक्स और संगीत, आर्ट्स के स्टूडेंट हैं। थर्मन शनमुगरत्नम का पारिवारिक जीवन उनके राजनीतिक करियर की तरह ही गतिशील और प्रेरणादायक है। उनके बच्चों को सार्वजनिक सेवा के लिए अपने माता-पिता का उत्साह विरासत में मिला है। हर एक बच्चे ने अनूठे रास्ते बनाए हैं। थर्मन शनमुगरत्नम ने सिंगापुर के राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। थर्मन शनमुगरत्नम का जन्म 1957 में हुआ था। सिंगापुर में राष्ट्रपति की भूमिका मौटे तौर पर औपचारिक होती है और उन्हें अधिक शक्तियां नहीं दी जातीं। हालांकि सिंगापुर के वित्त भंडार से जुड़ी कुछ ताकत उनके हाथों में जरूर होती है। राष्ट्रपति के पास सरकार और सार्वजनिक मामलों में बोलने की शक्ति बेहद सीमित होती है। सरकार के पास राष्ट्रपति को पद से हटाने की ताकत होती है। यहां की सरकार पहले ही साफकर चुकी है कि राष्ट्रपति, पूरी स्वतंत्रता के साथ बात नहीं कर सकते और उनकी भूमिका कुछ वैसी ही रहेगी जैसी ब्रिटेन में महारानी की। माना जाता है कि ये औपचारिक पद उन नेताओं के लिए सही हो सकता है जो शांत स्वभाव वाले हैं और विवादों से दूर रहना पसंद करते हैं, जैसा कि पहले के कई राष्ट्रपति थे। थर्मन का कौशल लाजवाब है। वो संघ्युक्त राष्ट्र और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष जैसे वैश्विक संगठनों में काम कर चुके हैं। एक समय वह भी था जब यह कहा जा रहा है कि वह मुद्राकोष के प्रमुख बन सकते हैं। गैर चीनी मूल के नेता पहले भी सिंगापुर के राष्ट्रपति रहे हैं लेकिन यह पहला मौका है जब इस पद की दौड़ में मुकाबले के बाद किसी ने जीत हासिल की है। उनकी जीत चीनी नस्लवाद के खिलाफएक बुलंद आवाज की जीत है। थर्मन की जीत ने यह साबित कर दिया कि वह केवल अल्पसंख्यक समुदाय के नेता नहीं हैं बल्कि पूरे देश के नेता हैं। उनकी जीत भारत के लिए महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि भारत और सिंगापुर के बीच घनिष्ठ संबंधों का एक इतिहास रहा है।सिंगापुर के साथ भारत के संबंध चोल वंश के समय से चले आ रहे हैं। 1965 में सिंगापुर की आजादी के बाद दोनों देशों के संबंध लगातार घनिष्ठ होते गए और 1990 के दशक में भारत के आर्थिक सुधारों और भारत की लुक ईस्ट नीति ने संबंधों की नई रूपरेखा सृजन कर डाली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में सिंगापुर यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सामरिक साझेदारी के संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। सिंगापुर की 3.9 मिलियन की आबादी में भारतीय लगभग 9.1 प्रतिशत यानि 3.5 लाख हैं। उन्होंने सिंगापुर के आर्थिक विकास, सामाजिक ताने-बाने और सांस्कृतिक विविधता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सिंगापुर आसियान में भारत के सबसे बड़े व्यापार और निवेश भागीदारों में से एक है। दोनों देशों ने राजनीतिक साझेदारी को काफी विकसित किया है। सिंगापुर की कम्पनियों ने भारत में बुनियादी ढांचा परियोजना में बहुत बड़ी भूच्मिका निभाई है। उम्मीद है कि थर्मन शीघ्र ही भारत का दौरा करेंगे और दोनों देशों के संबंधों के नए आयाम स्थापित करेंगे।

-आदित्य नारायण

आज का राशि फल

मेषः- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित दिखेंगे। मजबूत मनोबल के साथ कुछ साहसी कायरे में हाथ डालेंगे। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका क्षेत्र में नऐ आयाम खुलेंगे।

बृषभः- अच्छा होगा कि हर स्थिति का बड़ा ही नम्रतापूर्वक समना कर अच्छे व्यकितत्व का परिचायक बनें। नये कायरे के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव्र। परिवार में विवाद हो सकता है।

मिथुनः- पुरानी बातों कों भूल कर वर्तमान के साथ समझौता करें। भौतिक आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। विरोधियों की प्रबलता रहेगी।

कर्कः- रोजगार के क्षेत्र मे प्रयत्न सार्थक होगा। नियोजित प्रयास द्वारा कोई बड़ी सफलता अर्जित करेंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। समुचित परिश्रम पर मन केन्द्रित होगा।

सिंहः- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। परंपरावादी व स्वाभिमानी मन व्यवहारिक जगत मे तालमेल बैठाने में असमर्थ होगा। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न बरतें।

कन्याः- समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी। सम्बन्धों में आलोचनात्मक रवैया आपकी छवि पर बुरा प्रभाव डालेगा। विभागीय परिवर्तन से थोड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

तुलाः- माता का भरपूर स्नेह व सहयोग प्राप्त होगा। नैतिक-अनैतिक आदि के बारे में सोचने वाला आपका मन भौतिक परिवेश तालमेल बैठाने में असमर्थ होगा। मन कुछ असमान्यताओं का शिकार हो सकता है।

वृश्चिकः- भविष्य सम्बन्धी कुछ चिन्ताए मन में नीरसता लाएंगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

धनुः- बहुत दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। व्यहारकुशलता व वाकपटुता आपके व्यकित्व की सबसे बड़ी पूजी है। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकरः- कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। वसूलपसन्द व स्वाभिमानी व्यहार लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगी। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

कुंभः- किसी नए क्षेत्र में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने अंदर कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिया गया निर्णय से पश्चाताप संभव।

चुनावों का खर्चा या सस्ते चुनाव

एक देश-एक चुनाव के मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के नेतृत्व में गठित आठ सदस्यीय समिति में शामिल होने से लोकसभा में कांग्रेस के नेता श्री अधीर रंजन चौधरी ने यह कहते हुए इन्कार कर दिया है कि समिति का सन्दर्भ विषय इस तरह का है कि पहले से ही इसका निष्कर्ष तय हो जाये। श्री चौधरी के कहने का मतलब है यह समिति बनाई ही गई है 'एक देश-एक चुनाव' की सिफारिश करने के लिए। बेशक श्री चौधरी के इस मत से असहमति जताई जा सकती है मगर मूल प्रश्न यह है कि हम बात किस प्रकार के चुनाव सुधारों की कर रहे हैं? भारत के संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर ने जब पूरा संविधान लिख लिया तो 25 नवम्बर, 1949 को उन्होंने इस बारे में जो भाषण दिया वह बहुत महत्वपूर्ण है जिसमें भारत की चुनाव प्रणाली के संरक्षक चुनाव आयोग को भारतीय लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ बताया गया था। दरअसल भारतीय लोकतन्त्र मूलतः जिन चार खम्भों पर बाबा साहेब खड़ा करके गये वे न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका व चुनाव आयोग थे। इनमें से दो कार्यपालिका व विधायिका सरकार का हिस्सा थे और दो चुनाव आयोग व न्यायपालिका सरकारी अंग न होकर स्वतन्त्र व स्वायत्तशासी थे जो सीधे संविधान से शक्ति लेकर अपने दायित्वों का निर्वाह करते चले आ रहे हैं। आजादी के बाद शुरू के तीन दशकों तक चुनाव आयोग की भूमिका बहुत पारदर्शी और शुचितापूर्ण इस प्रकार रही कि भारत की बहुदलीय राजनैतिक व्यवस्था में इसके द्वारा भेदभाव किये जाने की कोई संभावना ही नहीं थी अतः समाजवादी नेता डा. राम मनोहर लोहिया ने लोकतन्त्र में स्वतन्त्र प्रेस (मीडिया) को चौथा खम्भा कहना शुरू कर दिया और यह धीरे-धीरे स्थापित भी होता चला गया। 1969 तक चुनाव आयोग को लेकर कहीं कोई विवाद या खबर बामुश्किल ही अखबारों की सुर्खियां बन पाई। इस साल जब पहली बार कांग्रेस पार्टी का विभाजन हुआ तो लोगों को पता लगा कि कोई एस.पी. सेन वर्मा नाम का व्यक्ति मुख्य चुनाव आयुक्त भी है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस पार्टी के विवाद पर अपना फैसला देकर न्यायपूर्ण व्यवहार किया और लोगों की वाहवाही लूटी। मगर 1974 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने जब दिल्ली सदर लोकसभा सीट से कांग्रेस के सांसद स्व. अमरनाथ चावला का चुनाव केवल इसलिए अघोषित किया कि उन्होंने अपने चुनाव में चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित धनराशि से अधिक खर्च किया है तो प्रधानमन्त्री इदिरा गांधी ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम -1951 में संशोधन करके यह प्रावधान किया कि किसी भी प्रत्याशी के चुनाव पर यदि उसका कोई मित्र अथवा उसकी पार्टी जो भी खर्च करेगी वह उसके चुनाव खर्च में शामिल नहीं किया जायेगा तो भारत में चुनाव लगातार महंगे और खर्चीले होते गये और चुनाव खर्च सीमा का कोई मतलब ही नहीं रहा। अतः 1974 में ही शुरू हुए जयप्रकाश नारायण के कथित सम्पूर्ण क्रान्ति आन्दोलन का मुख्य एजेंडा यह भी बना कि चुनावों को सस्ता बनाने के लिए सरकार संवैधानिक उपाय करे और जनता को चुने हुए प्रतिनिधियों को वापस बुलाने का अधिकार भी मिले। जय प्रकाश नारायण ने चुनाव सुधारों की सख्त जरूरत बताई और जनता का आह्वान किया कि वह इसकी आवाज पुरजोर तरीके से उठाये। जेपी ने चुनाव सुधारों के लिए बम्बई उच्च न्यायालय ने अकाश प्राप्त मुख्य न्यायाधीश श्री वी.एम. तारकुंडे की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जिसने आंशिक रूप से सरकारी खर्च से चुनाव कराये जाने के बारे में सिफारिशें भी दीं। जब तक ये सिफारिशें आयी तब तक जेपी आन्दोलन में शामिल पंचमेल पार्टी जनता पार्टी की सरकार मोरारजी देसाई के नेतृत्व में सत्ता पर काबिज हो गई थी। इस सरकार ने तारकुंडे समिति की रिपोर्ट को रद्दी की टोकरी में डालते हुए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त श्री एस.एल. शकधर के नेतृत्व में एक चुनाव सुधार आयोग का गठन कर दिया। जब तक इसकी रिपोर्ट आयी तब तक 1980 में केन्द्र में इन्दिरा जी की सरकार पुनः आ गई और शकधर रिपोर्ट का वहीं हश्र हुआ जो तारकुंडे समिति की रिपोर्ट का हुआ था। इसके बाद केन्द्र में कांग्रेस सरकार ने गोस्वामी समिति का गठन चुनाव सुधारों पर किया और इसकी कुछ सिफारिसों को लागू भी किया मगर चुनावों के लगातार महंगे और खर्चीला होने से रोकने के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया। असली सवाल जहां का तहां रहा कि एक नगर पालिका से लेकर विधानसभा और लोकसभा का प्रत्याशी अपने चुनाव पर बेतहाशा धन खर्च कर सकता था। जिसकी वजह से चुनाव लगातार महंगे होते गये क्योंकि इसकी जड़ में अभी तक वह कानून मौजूद है कि प्रत्याशी का निजी खर्च उसके मित्र व पार्टी द्वारा किये गये खर्च के घेरे में नहीं आयेगा। इसलिए असली समस्या तो यही है जिसे हमें हल करना है मगर हम सिर में दर्द है तो इलाज पैरों का कर रहे हैं और एक देश-एक चुनाव की बात कर रहे हैं। कहां तो बात चली थी कि चुनाव सरकारी खर्च से ही होने चाहिए और इसके लिए पृथक से एक कोष स्थापित केन्द्र सरकार को गठित करना चाहिए जिससे गरीब से गरीब राजनैतिक रूप से सजग व्यक्ति भी चुनाव में खड़ा हो सके और जनता का सच्चा प्रतिनिधित्व कर सके मगर हम आज बात ही सरकारी खर्च को कम करने की कर रहे हैं जबकि राजनीति को बुरी तरह धनतन्त्र और धन्ना सेठों ने अपनी कृपा का पात्र बना लिया है। चुनाव सस्ते बनाने का सम्बन्ध एक बारगी ही पूरे देश में चुनाव कराने से कैसे हो सकता है जबकि विधानसभा के चुनाव में ही एक प्रत्याशी करोड़ों रुपए खर्च करता हो और ग्राम पंचायत के चुनाव में भी लाखों रुपए खर्च किये जाते हों। लोकसभा चुनावों में तो खर्च का कोई हिसाब ही नहीं रहता यह तो अब दसियों करोड़ रुपए से भी ऊपर पहुंच रहा है। जाहिर है कि जब इतना खर्च करने वाले प्रत्याशी मैदान में होंगे तो वे विधानसभा या लोकसभा में पहुंच कर धन सुलभ कराने वालों के हितों को ही साधेंगे। अतः चुनावों को सस्ता बनाना मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान से सम्मानित होते जिले के पांच शिक्षक

शिक्षकों के दिखाए रास्ते पर चलकर देश को आगे बढ़ना होगा : डॉ. एस.पी. सिंह पटेल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या । शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर समाजवादी पार्टी ने जिले के पांच शिक्षकों को सम्मानित किया।इस मौके पर पार्टी के नेताओं ने कहा कि शिक्षक देश का विधाता होता है ऐसे में शिक्षकों से मिले ज्ञान को लेकर देश को बहुत ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। समाजवादी शिक्षक सभा के तत्वाधान में समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाबबाड़ी पर आयोजित मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि समाजवादी शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर एसपी सिंह पटेल ने कहा कि शिक्षक ही एक बेहतर समाज की नींव रखता है ऐसे में शिक्षकों के महत्व को कभी भी नकारा नहीं जा सकता। श्री पाण्डेय ने शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि बिना शिक्षकों के मार्गदर्शन के कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता हमें भी शिक्षकों के महत्व को समझना चाहिए। श्री पांडे ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए जो भी कदम उठाए वह मील का पत्थर साबित हुए, मुलायम सिंह यादव ने शिक्षकों के लिए जितना कार्य किया है आजादी के बाद आज तक किसी भी सरकार ने शिक्षकों के लिए उतना कार्य नहीं किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजवादी शिक्षक सभा के जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह ने कहा कि मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान 2012 से पूर्व मंत्री तेजनारायण पाण्डेय पवन के नेतृत्व में किया जा रहा है। उन्होंने इसके लिये पूर्व मंत्री सहित सभी शिक्षकों व अतिथियों का धन्यवाद आभार व्यक्त किया। श्री सिंह ने बताया कि इस आयोजन में जिन पांच शिक्षकों को सम्मानित किया गया है उनमें श्रीमती रीनू सिंह राजपूत प्रधानाध्यापिका प्राथमिक विद्यालय चचेरा पूरा बाजार, श्रीमती यशमती यादव सहायक अध्यापिका कम्पोजिट विद्यालय शुजागंज रूदौली, डॉ0 सैयद हैदर अली ताबिश शिक्षक वसीका अरबी कालेज राठहवेली, डॉ0 सुरेंद्रनाथ तिवारी प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कालेज व डा0 राजनारायण केवट एसोसिएट प्रोफेसर आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या प्रमुख है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. घनश्याम यादव ने किया। सपा जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि शिक्षकों का हमेशा समाजवादी पार्टी की सरकार में सम्मान बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कार्यक्रम के संस्थापक आयोजक पूर्व मंत्री तेजनारायण पाण्डेय पवन को इसके लिए बधाई भी दिया। महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षक हमेशा समाज को एक नई दिशा देता है। शिक्षक के बताये हुए रास्ते पर चलकर ही देश और समाज का विकास हो सकता है। सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी तादाद में शिक्षक व सपा कार्यकर्ताओं ने शिरकत किया और शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई दी। इस मौके पर मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता भगवान बक्श सिंह, छेदी सिंह, बख्तियार खान, चौ0 बलराम यादव, हामिद जाफर मीसम, डॉ0 घनश्याम यादव, छोटेलाल यादव, मोहम्मद हलीम पप्पू, सरोज यादव, अर्पणा जायसवाल, राकेश यादव अमृत राजपाल डा0 रानी अवस्थी, अंसार अहमद बब्बन, रिजवान, जगन्नाथ यादव, रक्षाराम यादव, रामभवन यादव, अंगद यादव, विमल सिंह यादव, संत प्रसाद मिश्रा, अवनीश प्रताप सिंह, शैलेन्द्र कुमार, अमित मौर्या, सुशान्त यादव, राम तीर्थ यादव, अम्बुज, डा0 विनोद सिंह, प्रभाकर पाण्डेय, राम बक्श यादव, पंकज यादव, कृष्णा यादव, अमर नाथ सिंह, प्रदीप तिवारी, सत्य प्रकाश, अशोक साहनी, मृत्युंजय सिंह, दलसिंगार गौड़, जय प्रकाश चौरसिया, धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, डा0 आशुतोष पाण्डेय, सूर्यभान यादव, जगदीश यादव, रामबाबू यादव, रवि यादव, पंकज शर्मा, शमशेर यादव, दातादीन यादव, सन्टी तिवारी, विरेन्द्र गौतम आदि लोग मौजूद रहे।

योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र पिछड़े एवं दिव्यांगजन तक पहुँचाया जाय -नरेन्द्र कश्यप

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । अधिक से अधिक पिछड़े और दिव्यांगजनो को प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाया जाय। पिछड़ेवर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति समय से दिलाने के प्रयास किये जायें। ओ लेवल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों की सुख सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाय। उक्त बातें प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने सोमवार को विधानसभा के अपने कक्ष मे विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों से कहीं । उन्होंने कहा कि योगी सरकार पिछड़े और दिव्यांगजनो के हितों के लिये निरंतर कार्य कर रही है, जिसका लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुँचाने का कार्य किया जाय।पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने निर्देश दिया कि ओ लेवल का प्रशिक्षण करा रहे सेंटरो का जनपदीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाय। निरीक्षण के दौरान छात्रों से प्रशिक्षण का फीडबैक लिया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि छात्रावास के मेंटेनेंस के लिए आवंटित धनराशि का सही ढंग से इस्तेमाल किया जाय। निर्माण कार्य मे कही हीलाहवाली या शिथिलता दिखे तो कार्यवाही करे। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाओं के माध्यम से कार्य सही हो रहा कि नहीं इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाय। उन्होंने निर्देश दिए कि शादी अनुदान योजना का लाभ लेने हेतु शादी के तीन महीने पूर्व ही आवेदन कर सकते है, इसकी जानकारी विभिन्न माध्यमों से पिछड़े वर्ग के लोगो तक पहुँचाई जाय। शादी अनुदान के तहत आने वाले आवेदनों को ससमय निस्तारित कर पात्र दंपति को लाभ दिलाया जाय।दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिव्यांगजनों को कैसे और लाभ मिले, इस पर कार्य किया जाय। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश में समेकित विद्यालय खोले जाय, जिससे दिव्यांगजन छात्रों की शिक्षा और समग्र विकास का ध्यान रखा जा सके। इसके अलावा दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें कौशल प्रशिक्षण भी दिलाया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि अभियान चलाकर दिव्यांगजन पेंशन योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों को दिलाया जाय। उन्होंने निर्देश दिये कि दिव्यांगजनों की यात्रा सुगम बनाने के लिए राज्य निधि मद अथवा विभाग की संचालित योजना के माध्यम से मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल उपलब्ध करायी जाय। उन्होंने दिव्यांजनों के लिए संचालित कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण योजना, दिव्यांगजन से शादी करने पर पुरस्कार योजना, दुकान निर्माण संचालन योजना तथा दिव्यांगता निवारण हेतु शल्य चिकित्सा अनुदान योजना की समीक्षा की।

सरफेस पार्किंग के लिए भूमि का निरीक्षण करते मण्डलायुक्त और जिलाधिकारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या । मण्डलायुक्त गौरव दयाल व जिलाधिकारी नितीश कुमार ने अयोध्या धाम आने वाले श्रद्धालुओं/पर्यटकों को बेहतर सुविधाओं यथा-सुचारू आवागमन एवं वाहनों के पार्किंग आदि के लिए उपयुक्त भूमियों का भौतिक निरीक्षण किया। अधिकारी द्वय ने सर्वप्रथम उदया तिराहा (चौदह कोसी एवं पंचकोसी जंक्शन स्थल) के पास बड़े भू-भाग पर सरफेस पार्किंग व अन्य सुविधाओं को विकसित करने के लिए उपलब्ध भूमि का अवलोकन किया। अगले चरण में अधिकारी द्वय ने ब्रम्हकुण्ड सहित राजघाट उद्यान से गुप्तारघाट तक बंधा मार्ग के किनारे विभिन्न भूमियों/परिसम्पत्तियों को किसी भी प्रकार के अवैध अतिक्रमण से मुक्त रखने के निर्देश दिये।इस दौरान अधिकारी द्वय ने राजघाट के बंधे व ब्रम्हकुण्ड के बीच स्थित भूमि पर भी बड़ी संख्या में वाहनों की सरफेस पार्किंग सुविधा विकसित करने सम्बंधी योजना बनाने हेतु अयोध्या विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देशित किया।

गरीब के लिए संजीवनी है आयुष्मान कार्ड- ब्रजेश पाठक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । आयुष्मान योजना गरीब के लिए संजीवनी है। जब घर का कोई सदस्य बीमार पड़ता है अथवा गंभीर बीमारी से ग्रसित हो जाता है, ऐसे में यह कार्ड उस परिवार के लिए बहुत लाभकारी साबित होता है। उत्तर प्रदेश में अब तक तीन करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। केंद्र सरकार की ओर से सात करोड़ का लक्ष्य दिया गया है, जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।यह कहना है प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का। वे सोमवार को लखनऊ स्थित एक होटल में आयोजित आयुष्मान प्रधानमंत्री जन आरोग्य आरोग्य योजना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डिप्टी सीएम ने कहा कि आयुष्मान योजना में देश के करोड़ों परिवार लाभांवित हो चुके हैं। जब किसी गरीब के घर में बीमारी आती है, तो सब कुछ छीन कर ले जाती है। ऐसे में यह कार्ड ही उनके लिए उपयोगी साबित होता है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में अब तक अभी तक तीन करोड़ से अधिक कार्ड बनाए जा चुके हैं। सात करोड़ का लक्ष्य है, जिसके सापेक्ष 49 लाख और परिवारों का कार्ड बनाने के लिए चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य को जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने योजना से जुड़े सभी स्वास्थ्यकार्मिकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सभी के संयुक्त प्रयास का नतीजा है कि हम कार्ड बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से जो लक्ष्य हमें दिया गया है, उसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि प्रतिदिन इस योजना से प्राइवेट अस्पताल भी तेजी से जुड़ते जा रहे हैं। कार्यक्रम में योजना के तहत लिस्टेट अस्पतालों के संचालकों ने अपने अनुभव भी साझा किए। समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, चिकित्सा राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, प्रमुख सचिव चिकित्सा पार्थ सारथी सेन शर्मा सहित तमाम विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

गौवंश के साथ दुराचार का आरोपी को भेजा गया जेल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सोहावल-अयोध्या।रौनाही थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी सत्तीचौरा क्षेत्र के सीबार में गौवंश के साथ दुराचार का वीडियो वायरल होते ही पुलिस एक्शन मे आ गयी । आरोपी इमाम अली पुत्र अब्दुल हफीज को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए जांच कार्यवाही शुरु कर दिया है । प्रथम दृष्ट्या दोष युक्त होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया है। मालूम हो कि सीबार निवासी विशेष समुदाय के आरोपी इमाम अली द्वारा गांव के ही निवासी के गौवंश के साथ दुराचार करने का आज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। सामुदायिक सदभाव बनाए रखने के लिए तत्काल गिरफ्तारी कर जांच कार्यवाही शुरु करने से आपसी सामंजस्य खराब करने वालों के मंसूबे पर पानी फिर गया । सम्बन्ध में थाना प्रभारी ओ पी राय ने बताया कि पशु पालक की तहरीर और जारी वीडियो के साक्ष्य के आधार पर आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

उत्तर प्रदेश देश में सबसे बड़े इथेनॉल उत्पादक के रूप में उभरने के लिए तैयार- लक्ष्मी नारायण चैधरी

लखनऊ । सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए मुख्य अतिथि लक्ष्मी नारायण चैधरी, कैबिनेट मंत्री, गन्ना विकास और चीनी उद्योग, ने कहा कि उत्तर प्रदेश सम्पूर्ण देश में इथेनॉल उत्पादन में नंबर वन बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया की राज्य में इस क्षेत्र के उद्योग का आकार 12,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है. उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश की इथेनॉल क्षमता 2 अरब लीटर प्रति वर्ष अनुमानित की गई है, जो पांच साल पहले 240 मिलियन लीटर प्रति वर्ष से लगभग आठ गुना अधिक है। अगले कुछ वर्षों में राज्य की इथेनॉल क्षमता 2.25 बिलियन लीटर प्रति वर्ष तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस क्षेत्र को पिछले 6 वर्षों में संयंत्र और मशीनरी, प्रौद्योगिकी और कुल खेती क्षेत्र में निवेश के मामले में निजी क्षेत्र से अभूतपूर्व समर्थन मिला है।सम्मलेन में आये लोगों को संबोधित करते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, ने कहा की गन्ना उद्योग देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने उल्लेख किया कि चीनी क्षेत्र चक्रीय अर्थव्यवस्था का एक उपयुक्त उदाहरण है जो यू.पी0 में गन्ना क्षेत्र से संबंधित 4.5 मिलियन से अधिक परिवारों को रोजगार प्रदान करता है, जिसमें चीनी, इथेनॉल, गुड़, बिजली सह-उत्पादन, गुड़, खांडसारी (परिष्कृत चीनी) आदि शामिल हैं। राज्य में समेकित वार्षिक गन्ना अर्थव्यवस्था लगभग 50,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य सरकार किसानों को लाभकारी मूल्य प्रदान करने और उनकी आय दोगुनी करने के लिए गन्ने की फसल को आकर्षक इथेनॉल मूल्य श्रृंखला के साथ एकीकृत करने का प्रयास कर रही है।सम्मेलन के अध्यक्ष तथा डीसीएम श्रीराम लिमिटेड (चीनी व्यवसाय) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर तथा सीईओ रोशन लाल तामक ने उल्लेख किया कि चीनी मिलों को एक सक्षम और प्रगतिशील नीतिगत बुनियादी ढांचा प्रदान करने और राज्य में बंद पड़ी चीनी मीलों को पुनः चलाने हेतु राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने उल्लेख किया कि चीनी क्षेत्र उत्तर प्रदेश के कृषि समाज का केंद्र बिंदु है और इसने राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जैव-ऊर्जा उद्यमों की स्थापना से किसानों के लिए अतिरिक्त आय भी पैदा होगी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।प्रभु नारायन सिंह, आई.ए.एस, गन्ना आयुक्त, उत्तर प्रदेश सरकार, ने उल्लेख किया गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सितंबर 2022 में यूपी-बायो एनर्जी नीति की घोषणा की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य में बायोएनर्जी कचरे का उपयोग करके संपीड़ित बायोगैस संयंत्र, बायो डीजल उत्पादन संयंत्र और बायो कोयला उत्पादन संयंत्र स्थापित करने को प्रोत्साहित करना था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करना है।अनुपम शुक्ला, आई.ए.एस, निदेशक, यू.पी.ने.डा., उत्तर प्रदेश सरकार, ने कहा कि यूपीनेडा ने बायोएनर्जी क्षेत्र के लिए समर्पित रूप से एक नोडल अधिकारी आवंटित किया है। उन्होंने उल्लेख किया कि हम आवश्यक सब्सिडी प्रोत्साहन प्रदान करके एफपीओ, गन्ना संस्थानों की मदद से आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में सीबीजी स्थापित करने के लिए राज्य सरकार केंद्र सरकार की सब्सिडी के अलावा सभी आवश्यक सब्सिडी प्रदान कर रही है।पद्मश्री (डॉ.) बक्शी राम ने सभा को सम्बोधित करते हुए फसल 238 के बारे में बात की जो उत्तर प्रदेश में चीनी क्षेत्र में गेमचेंजर साबित हुई है।

प्राइमरी स्कूलों के बच्चों में दिखाई दे रही प्रतिभा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कमलापुर (सीतापुर)। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्राइमरी स्कूलों के बच्चों में प्रतिभा की बेहतर झलक दिखाई दे रही है। विकासखंड कसमंडा के कंपोजिट विद्यालय अकबरपुर सरैंया के विद्यालय में शिक्षकों के साथ साथ बच्चों की मेहनत का असर दिखाई दे रहा है। नौनिहालों को पढ़ाई के साथ साथ समाज के प्रति भी जागरूकता का पाठ पढ़ाया जाता है। कंपोजिट विद्यालय अकबरपुर में शिक्षिका पूनम देवी, मीता कटियार, नेहा शुक्ला, शिक्षा मित्र महेंद्र प्रताप, शमीम बानो सहित जूनियर शिक्षिका प्रेरणा सिंह और सुलेखा शर्मा कार्यरत हैं। इस विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को शिक्षा देने के लिए अध्यापक कोई कोर कसर नहीं छोड़ते। जिसका असर विद्यालय के बच्चों में दिखाई दे रहा है। सरकार की मंशा है कि कक्षा एक, दो व तीन के बच्चे जल्द ही निपुण हो इस पर पूरा प्रयास करते हुए इस विद्यालय के बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य गिरिजेश अवस्थी ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में कक्षा एक से आठ तक कुल छात्र छात्राओं की संख्या 203 है तथा तैनात सभी अध्यापक गण बच्चों को पढ़ाने में काफी मेहनत करते हैं। जिसका परिणाम है कि कक्षा एक के छात्र प्रांशु कक्षा दो में वैष्णवी दीपांशी, राधिका, गौरी तथा कक्षा तीन में दक्षिका, आंचल, मीरा, शगुन, प्रदीप, शिवा, राजेश आदि निपुण श्रेणी के छात्र छात्राएं अध्ययन कर रहे हैं।

बस्ती में स्थित नगर राजवहा प्रणाली पर अवशेष कुलाबों के निर्माण हेतु 60 लाख रूपये स्वीकृति

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सरयू नहर परियोजना के अन्तर्गत जनपद बस्ती में स्थित नगर राजवहा प्रणाली पर अवशेष कुलाबों के निर्माण हेतु 60 लाख रुपए धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस संबंध में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया हैं। जारी शासनादेश में यह निर्देश दिए गए हैं कि मात्राओं को निर्माण के समय सुनिश्चित किए जाने का पूर्ण उत्तरदायित्व कार्यदायी संस्थाध्विभाग का होगा। परियोजना का निर्माण कर ससमय पूर्ण करा लिया जाना सुनिश्चित किया जाएगा अन्यथा की स्थिति में किसी प्रकार की अनियमितता के लिए इसका समस्त उत्तरदायित्व विभाग का होगा। विभाग द्वारा नियमानुसार समस्त आवश्यक वैधानिक अनापत्तियां पर्यावरण क्लीयरेंस सक्षमस्तर से प्राप्त करके निर्माण का प्रारंभ कराया जायेगा।

पूर्व प्रधान का शव मेंड पर मिला

मल्लावां/हरदोई। नरायनमऊ गांव के पूर्व प्रधान का संदिग्ध परिस्थितियों में करवा गांव के खेत की मेड़ पर शव पड़ा पाया गया। ऐसे में सिर और आंख पर चोट के निशान को लेकर परिजन मृतक के भतीजे पर ही हत्या की आशंका व्यक्त कर रहे हैं। घटना की जानकारी पर फारेंसिंक टीम व पुलिस शव की जाँच पड़ताल में जुटी है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पूर्व प्रधान की मौत के रहस्य से पर्दा उठेगा।बताया जा रहा है कि पूर्व प्रधान गंगाराम रेदास उम्र 60 वर्ष पुत्र गिरिवर निवासी ग्राम नरायनमऊ जो वर्ष 1995 में ग्राम सभा के प्रधान रह चुके है। अब सिंचाई के इंजन का काम करते है। मृतक की पुत्री खुशबू ने बताया कि उसके पिता रविवार की सुबह करीब 5 बजे अपने भतीजे पप्पू पुत्र बेनी के साथ मोटर साइकिल से शौच के लिए निकले थे। लेकिन घर वापस नहीं लौटे। ऐसे में सोमवार की सुबह बांके लाल किसान ने बताया कि करवा गांव स्थित मिश्रिलाल के खेत के पास मेड़ पर खून से लथ पथ अवस्था में शव पड़ा देखा तो परिजनों को सूचना दी। तो पूरे घर में कोहराम मच गया।घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी, अपर पुलिस अधीक्षक नपेंद्र सिंह, सीओ सत्येंद्र सिंह, कोतवाल शेष नाथ सिंह ने शव की तफसीस कर परिवार के लोगों से पूछताछ कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर गांव के राकेश यादव पुत्र अशर्फीलाल ने बताया कि रविवार को संतोष के खेत में लगे पंपिंग सेट को ठीक करने को कहा था। तब रोड पर दो तीन लोगों के साथ पूर्व प्रधान बैठे थे।अब आखिर किन लोगों के साथ गंगाराम थे। और उस स्थान पर कैसे पहुंचा जहां पर उसका शव पड़ा मिला। इन सवालों के इरद गिरद ही गुथी उलझी हुई है।पुलिस ने ग्राम प्रधान सरोज पाल व परिजनों की तहरीर पर पोस्टमार्टम कराया है।

जिलाधिकारी ने दीप प्रज्वलन कर मेले एवं प्रदर्शनी का किया

प्रयाग दर्पण संवाददाता

हरदोई। जनपद में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम योजनान्तर्गत पारम्परिक विराट किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन सम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्र निकट बिलग्राम चुंगी, हरदोई में किया जा रहा है। कार्यक्रम के तृतीय दिवस जिलाधिकारी द्वारा मेले एवं प्रदर्शनी का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन कर किया गया तथा कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन जिलाधिकारी एवं किसानों द्वारा किया गया।मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी द्वारा किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए अनेकों योजनायें चलायी जा रही है। है प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत किसानों के खाते प्रतिवर्ष छः हजार रूपये सीधे खाते में भेजे रहे है और इस योजना में कतिपय कारणों से वंचित किसानों से आग्रह किया कि वह अपनी ई-केवाइसी, भूलेख सत्यापन और अपने खाते की आधार सीडिंग अवश्य करा लें। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत किसान भाई अपनी फसल का बीमा अवश्य कराये, उन्होने यह भी बताया कि गंगा एवं गरी नदी के किनारे बाढ़ ग्रस्त ग्रामों में फसल क्षति का आकलन कर किसानों को मुवायजा दिलाने की कार्यवाही जायेगी। पीएम कुसुम योजना के अन्तर्गत किसान भाई 60 प्रतिशत अनुदान पर अपने खेत में सोलर पम्प की स्थापना कर सिंचाई की लागत में कमी कर अपनी आय बढ़ा सकते है। प्रधानमंत्री जी के द्वारा श्री अन्न फसलों की महत्ता को समझते हुए देश और प्रदेश में श्री अन्न फसलों की खेती को बढ़ावा देकर किसानों की आय एवं लोगो का स्वास्थ्य सुरक्षित करने के लिए कदम उठाया है।उन्होने बताया कि जनपद के सभी राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर 50 प्रतिशत व 90 प्रतिशत अनुदान पर उन्नतशील बीज उपलब्ध है। किसान भाई बीज भण्डार पर जाकर सभी प्रकार के अनुदान पर बीज प्राप्त कर सकते है। उप कृषि निदेशक ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा बेमौसम वर्षा एवं ओलावृष्टि से फसल क्षति होने पर 72 घण्टे के अन्दर सूचना देकर क्षतिपूर्ति का लाभ प्राप्त कर सकते है। उमेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी द्वारा बताया गया कि किसान भाई खेती किसानी की लागत कम करने और अधिक उत्पादन के लिए कषि विभाग, गन्ना विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग एवं मत्स्य विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ उठाये। हिमान्शू चौधरी व0प्रा0सहा0ग्रुप-ए द्वारा किसानों को श्री अन्न (मिलेट्स) की फसलों की जानकारी दी तथा बताया कि श्री अन्न की फसलों की खेती मृदा एवं मानव के स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम है। इसकी खेती में सिंचाई एवं उवर्रक की आवश्यकता भी नहीं पड़ती है। नरोत्तम कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी द्वारा किसान भाइयों को भूमि संरक्षण एवं खेत तालाब की योजना के बारे विस्तृत जानकारी दी गयीं। डा0 आर0डी0 तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक गन्ना शोध संस्थान, शाहजहापुर द्वारा किसान भाइयो को गन्ना खेती की उन्नतशील तकनीकी की जानकारी दी गयीं। डा0 रेखा दीक्षित, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी ने पशुपालन विभाग से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में मीना सिंह, उपायुक्त एनआरएलएम, डा नन्द किशोर, उप कृषि निदेशक, डा निधि राठौर, भूमि संरक्षण अधिकारी, एपी सिंह, एआर कॉपोरेटिव सत्यनरायन प्रसार, एसडीओ विधुत विभाग, निहारिका, जिला खाद्य विपणन अधिकारी,सन्तोष कुमार, जिला सूचना अधिकारी, समन्वयक फसल बीमा,ज्येष्ठ गन्ना, विपणन निरीक्षक, सुश्री सोनी कुशवाहा,प्रभात कुमार, हिमान्शू चौधरी, अयाज अहमद व ओम ओमर, व प्रासहाग्रुप-ए एवं विभिन्न विभाग से अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ-साथ कृषक उत्पादक संघ के धर्मेन्द सिंह एवं पदाधिकारी व कृषक उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया चेहल्लुम के ताजिए का दिन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सेवता (सीतापुर)। सेवता में सोमवार को चेहल्लुम के ताजिया का जुलूस बड़ी धूमधाम से कस्बे में भ्रमण करते हुए शाम को कर्बला पहुंच कर दफन किये गये। कस्बा सेउता में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चेहल्लुम के ताजिए का दिन बड़ी धूमधाम से मनाया। चेहल्लुम के ताजिए रविवार की शाम को ताजियादारों ने अपने चैक पर रखकर रात में नोहा मर्सिया तकरीर इत्यादि इस पर्व से जुड़े सभी कार्यक्रम हुए। चैक वाले दिन से ताजियादारों के आने का शिलशिला शुरू हुआ और दूसरे दिन तक जारी रहा। शाम को सेउता में रखे गये ताजिए के पास निघासन जिला लखीमपुर खीरी का मशहूर ब्रास बैड के कलाकारों ने गाजे बाजे के साथ वाद्ययंत्रों के माध्यम से कव्वाली भजन गीत भी गाये। जिसे सुनकर लोगों ने कलाकारों की खूब तारीफ की। उधर कटरा में भी जनपद के बिसवां का मशहूर वारसी ब्रांस बैंड के भी कलाकारों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। यह क्रम रात भर जारी रहा। सुबह होते ही परम्परा के अनुसार दोनों ओर के ब्रांड बैंड कस्बा स्थिति मां देवी सोनासर मंदिर पर पहुंच कर कलाकारों ने भजन कीर्तन कर लोगों का मन मोह लिया। सोमवार को दोपहर बाद सभी ताजिए अपनी अपनी चैक से उठकर गाजे बाजे के साथ सेवता कस्बे में भ्रमण करते हुए शाम को गांव के उत्तर गुरखेत पर दोनों तरफ के ताजिए और बाजे इकठ्ठा हुए दोनों में मुकाबला शुरू हुआ। जो देर शाम तक चलता रहा। चेहल्लुम देखने के लिए क्षेत्र ही नहीं गैर जनपद से हजारों संख्या में लोग इकठ्ठा हुए लाखों की भीड़ को देखते हुए मेले की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन मौजूद रहा। इस अवसर पर नन्दराम गौतम प्रधान, कलीम अहमद पूर्व प्रधान, सुशील मौर्य पत्रकार, असलम खान, अमीर बेग, कल्लू शेख, अफसर, फिदा अंसारी, पटवारी, मोहीद, सईद, असलम, सुरेंद्र गुप्ता आदि भारी संख्या में लोग जुलूस के साथ मौजूद रहे।

भादो माह के मेला को प्रशासन ने कसी कमर

तीर्थ यात्रियों की सुविधा को चैकस व्यवस्था के दिये निर्देश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द व पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला की मौजूदगी में भादो माह की अमावस्या मेला तैयारी बाबत बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि 14 सितंबर को भादों माह की अमावस्या है। धार्मिक गतिविधियों का मेला 13 से 15 सितंबर तक चलेगा।सोमवार को कलेक्टेऊट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने ईओ नगर पालिका को निर्देश दिए कि परिक्रमा मार्ग, रामघाट, पूरे मेला क्षेत्र में साफ-सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था व सीसीटीवी कैमरे, जो खराब हैं, उन्हें ठीक करा दें। पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी लगायें। एसडीएम व सीओ सिटी एवं यातायात से कहा कि जिन स्थानों पर पार्किंग स्थल बने हैं, वहां कौन से वाहन खड़े होंगे, बैनर लगायें। सभी पार्किंग स्थल का भ्रमण कर जो कमियां हो ठीक करायें। पेयजल, प्रकाश, शौचालय की व्यवस्था करें। पार्किंग स्थलों में देखें कि बरसात होती है तो वहां वाहन खड़े करने को अन्यत्र व्यवस्था रखी जाए। एएसपी से कहा कि पार्किंग प्रभारी नामित करें। एक्सईएन जल संस्थान से कहा कि पार्किंग स्थल एवं मेला क्षेत्र में शुद्ध पेयजल सुलभ कराने को टैंकर लगायें। जहां टैंकर कम हो, डीपीआरओ से मांगकर व्यवस्था करायें। एक्सईएन विद्युत से कहा कि मेला क्षेत्र में मेला दौरान निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति जारी रहे। जो तार या पोल खराब हों, मेला से पहले ठीक करा लें। ईओ से कहा कि पर्यटन अधिकारी परिक्रमा मार्ग में प्रकाश एवं सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग चेक करा ले। ईओ से कहा कि फ्लड लाइट की व्यवस्था करायें। बेड़ीपुलिया व निर्मोही अखाड़ा यूपीटी के पास पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगायें। अन्ना पशुओं को टीमें लगाकर मेला क्षेत्र में अन्ना पशु नहीं घूमने चाहिए। सहायक अभियंता सिंचाई गुरु प्रसाद से कहा कि रामघाट किनारे पर बैरिकेडिंग कराकर गोताखोर नाव बैनर भी लगवायें। चैकी प्रभारी सीतापुर से कहा कि नाविकों को स्थान चिन्हित कर नाव लगवायें, ताकि तीर्थ यात्रियों को मंदाकिनी में स्नान में परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने रोडवेज के अधिकारियों से कहा कि बसों की संख्या और बढ़ाकर नये बस स्टेशन से बसों का संचालन करायें। कर्वी बस स्टॉप पर बसों को नहीं खड़ा किया जाए। अधीक्षक रेलवे स्टेशन से कहा कि मेला दौरान स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था करें। ट्रेनों के समय का प्रचार-प्रसार भी किया जाए। स्टेशन के बाहर पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी रेलवे लगवाये। भरतकूप व शिवरामपुर स्टेशन पर मेला दौरान ट्रेनों को रोकने की व्यवस्था करायें। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि ट्रैफिक चैराहा, जूनियर हाई स्कूल खोही, परिक्रमा मार्ग पर एंबुलेंस की व्यवस्था करें। जहां स्वास्थ्य टीमें लगाई जाती थी, वहीं पर लगे। चैकी परिक्रमा मार्ग व रामघाट पर स्टेचर की व्यवस्था रहे।

अयोध्या में श्रीराम मन्दिर का उदघाटन पुजारियों व पण्डितों से कराया जाय- प्रमोद तिवारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर के उदघाटन के कार्यक्रम को राजनैतिक स्वरूप दिये जाने पर कडी आपत्ति जतायी है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा है कि मंदिर का उदघाटन वैदिक परम्परा से पुजारी एवं पण्डितों अथवा देश के राष्ट्रपति से कराया जाना चाहिए। उन्होनें कहा कि किसी भी मंदिर का उदघाटन सनातन धर्म की आस्था तथा विश्वास से जुड़ा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर को लेकर भी हिन्दू समुदाय की पवित्र आस्था जुडी हुई है। उन्होने कहा कि इसके तहत वहां भगवान श्रीराम के मंदिर का उदघाटन भी सनातन धर्म की परम्परा के तहत वैदिक रीति से शुद्ध वातावरण में सुनिश्चित होना चाहिए। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि वैदिक परम्पराओं के तहत मंदिर के उदघाटन का कार्यक्रम का सम्पूर्ण दारोमदार वहां पूजा करने वाले पुजारियों तथा पण्डितों और ब्राहम्णों पर छोड़ा जाना चाहिए। श्री तिवारी ने कहा कि वैदिक परम्परा के तहत होने वाले उदघाटन कार्यक्रम में कोई भी शामिल हो यह विषय नहीं है। उदघाटन कार्यक्रम को किसी राजनैतिक दल के नेता से कराने पर सामाजिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में गलत संदेश जाएगा। उन्होनें कहा कि यदि मंदिर उदघाटन के कार्यक्रम को राजनैतिक स्वरूप दिया जाता है तो इसका उदघाटन देश की राष्ट्रपति के द्वारा कराया जाना चाहिए। उन्होनें उदाहरण देते हुए कहा कि सोमनाथ के भव्य मंदिर का भी उदघाटन 1951 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद से कराया गया था। श्री तिवारी ने बीजेपी के प्रधानमंत्री को मंदिर के उदघाटन के लिए आमंत्रण को लेकर स्पष्ट कहा कि भाजपा शुरू से ही धर्म का राजनैतिक लाभ लेने के लिए दुरूपयोग करती आ रही है। सरकार के वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर गठित सरकारी कमेटी से लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी के अलग होने के निर्णय को सही ठहराया है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस कार्यालय में फरियादियों की शिकायतें सुनी गई

प्रयागराज । दिनांक 04.09.2023 को पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सपा महिला पदाधिकारी को पुलिस ने लिया हिरासत में

प्रयागराज । ट्रेन में महिला सिपाही के खिलाफ हुई बर्बरता के खिलाफ प्रदर्शन कर रहीं समाजवादी पार्टी की महिला इकाई की पदाधिकारी व सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। सपा की महिला महानगर इकाई की सदस्य सोमवार दोपहर तीन बजे सुभाष चौराहा पर प्रदर्शन कर रही थीं। इसकी जानकारी होने पर सिविल लाइंस थाने से महिला पुलिस पहुंची। महिला पुलिस ने प्रदर्शन कर रही महिलाओं को चौराहे से हटाने की कोशिश की। सपा महिला इकाई की सदस्य नहीं मानीं तो महिला पुलिस सभी को हिरासत में लेकर सिविल लाइंस थाने लेकर गई। शाम तक सपा की महिला सदस्यों को थाने में बैठाया गया था।

अंतर्राष्टीय अवार्ड से वरिष्ठ कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा सम्मानित

प्रयागराज । कलारत्नम् फाउंडेशन ऑफ आर्ट सोसाइटी भारत की ओर से आयोजित इस वर्ष की तृतीय त्रैमासिक चित्रकला प्रदर्शनी व प्रतियोगिता में विश्व के प्रमुख देशों में फ्रांस,अमेरिका, श्रीलंका, जर्मनी, नेपाल, तुर्की ,स्वीडन, मेक्सिको, ऑस्ट्रेलिया, हंगरी, भारत सहित कुल विश्व के 25 देशों के 410 कलाकारों ने प्रतिभाग किया जिसमें बहुत से कलाकारों का चयन विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए किया गया जिसमें सर्वोच्च पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय कलारत्नम् अवार्ड- 2023 से संस्कार भारती प्रयागराज के कला- प्रमुख तथा राज्य ललित कला अकादमी के कार्यकारिणी सदस्य रहे वरिष्ठ कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा को नवाजा गया। प्रदर्शनी की सफलता के लिए संस्था के अध्यक्ष कुलदीप वर्मा और उपाध्यक्ष नीरज वर्मा, प्रबंधक सुरेंद्र कुमार तथा सचिव सुनीता ने सभी कलाकारों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है और कहा कि संस्था विश्व कलाकारों को एक सर्वोत्तम कलामंच प्रदान करती आई है अध्यक्ष कुलदीप वर्मा ने कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा को सम्मानित करते हुए बताया कि इनकी चित्रकृति धरोहर इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रमुख भारतीय धरोहर के रूप में अनुपम कृति है। इसलिए इस महत्वपूर्ण कृति को पुरस्कार के लिए जूरी द्वारा चुना गया। भारत के सभी प्रमुख कलाकारों ने रवीन्द्र कुशवाहा की इस उपलब्धि पर उनको बधाई संदेश भेजें हैं।

दारागंज के प्राचीन दशहरा महोत्सव पर पात्रों का होगा भव्य स्वागत व सम्मान

प्रयागराज । दारागंज के प्राचीन दशहरा महोत्सव में दल का होगा भव्य स्वागत और पात्रों का होगा सम्मान। सामाजिक संस्था प्रयागराज सेवा समिति के तत्वाधान में श्री दारागंज रामलीला कमेटी में, 65 वर्ष लगातार सेवा देने वाले पंडित धर्मराज पाण्डेय की स्मृति में इस वर्ष पंडित धर्मराज पाण्डेय चौराहे पर राम बारात ,मां काली की सवारी, हनुमान दल पर चौराहे पर सदस्यों के द्वारा अनूठे ढंग से स्वागत होगा। बैठक में प्रयागराज सेवा समिति महिला मोर्चा की अध्यक्ष क्षेत्रीय पार्षद अनुपमा तीर्थराज पाण्डेय ने पंडित धर्मराज के स्मृति में, मां काली के पात्रों का सम्मान की बात रखी। जिस पर उपस्थित सदस्यों ने सहमति जताई। इस वर्ष 10 अक्टूबर को मुकुट पूजा से दशहरा महोत्सव का आरंभ होगा ।14 तारीख को भव्य राम बारात अयोध्यापुरी नागवासुकी मंदिर से निकलेगा, 16 तारीख से मां काली का रौद्र नृत्य होगा। और 21 तारीख को भव्य हनुमान दल निकलेगा। बैठक की अध्यक्षता, कमेटी के संरक्षक पंडित ध्रुव राज पाण्डेय के द्वारा किया गया। सभी सदस्यों का आभार ज्ञापन पंडित कैलाश चंद पाण्डेय के द्वारा किया गया। बैठक में विष्णु दयाल श्रीवास्तव, गोलू चौरसिया, दिलीप मिश्रा ,पवन यादव ,प्रभु राज पाण्डेय ,योगिता दुबे ,आकाश निषाद, मोहित गुप्ता, आदि उपस्थित रहे।

हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध में भड़के अधिवक्ता

प्रयागराज। हापुड़ में अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में इलाहाबाद के अधिवक्ताओं ने सोमवार को प्रदर्शन और नारेबाजी की। हाईकोर्ट के सामने जुटे अधिवक्ताओं ने सरकार से हापुड़ के डीएम और एसपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। दोनों अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। साथ ही लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाने की मांग की।

अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी। जुलूस निकालकर हाईकोर्ट के सामने पहुंचे वकीलों ने कहा कि अधिवक्ताओं के साथ अन्याय किया जा रहा है। अधिवक्ताओं को लाठियों से पीटा जा रहा है और उनकी प्राथमकी भी नहीं दर्ज की जा रही है। इस घटना से वकीलों में काफी आक्रोश है। जब तक अधिकारियों के खिलाफ कड़े कदम नहीं उठाए जाते तब तक वह शांत नहीं होंगे। अगर मांग पूरी नहीं की गई तो अधिवक्ता सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होंगे। हापुड़ में अधिवक्ताओं पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज की घटना के विरोध में बार एसोसिएशन करछना में अधिवक्ताओं ने तहसील में तालाबंद कर कार्य का बहिष्कार किया। बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने करछना थाना के सामने करछना-कोहड़ार घाट पर चक्काजाम कर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस प्रशासन का पुलता भी फूंका गया।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर नर्सिंग होम एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । दिनांक 3 सितंबर 2023 को शिवाजी पार्क बाघबंरी हाउसिंग स्कीम अल्लापुर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर वरिष्ठ नागरिक कल्याण संस्थान ,स्वास्थ्य विभाग एवं इलाहाबाद नर्सिंग होम एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ ।इसका उद्घाटन माननीय महापौर प्रयागराज श्री उमेश गणेश केसरवानी जी द्वारा किया गया। स्वास्थ्य शिविर में पैथोलॉजी टेस्ट एवं ब्लड प्रेशर की निशुल्क जांच एवं दवा वितरण किया गया। महापौर महोदय ने उद्घाटन के अवसर पर राजकीय चिकित्सकों एवं नर्सिंग होम के वरिष्ठ चिकित्सकों के सहयोग से आम लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण का कार्यक्रम पूरे शहर में अलग-अलग जगह पर कराने का अनुरोध किया ताकि यह पूरे प्रदेश के लिए एक नजीर बन सके। उन्होंने आशा आशा व्यक्त की, कि प्रयागराज एक मेडिकल हब बन सके ताकि बाहर के व्यक्ति भी प्रयागराज में चिकित्सा के लिए आए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज डॉक्टर आशु पांडे ने आम जनता को समस्त उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों एवं नर्सिंग होम के वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा ऑनलाइन सुविधा प्रदान करने का आश्वासन दिया। कैंप में कुल 518 मरीज देखे गए, जिसमें 286 मरीजों की जांच की गई ,कुल 15 मरीजों की ईसीजी जांच की गई। इस अवसर पर नर्सिंग होम एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा, वरिष्ठ नागरिक कल्याण संस्थान के अध्यक्ष डॉक्टर अरुण कुमार, डॉक्टर राजेंद्र सिंह, डॉक्टर तीरथ लाल, डॉक्टर आरके श्रीवास्तव, डॉक्टर अमृतलाल डॉक्टर ए के तिवारी,नोडल अर्बन डाक्टर रावेन्द्र सिंह इत्यादि एवं रहे। कार्यक्रम का संचालन डाक्टर आशु वैश्य ने किया।

थाना शंकरगढ़ पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । थाना शंकरगढ़ पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा आज दिनांक 03.09.2023 को मुखबिर की सूचना पर लोहरा नहर पुलिया के पास थाना क्षेत्र शंकरगढ़ से 02 अभियुक्त 1.अजय कुमार पुत्र शिव प्रसाद निवासी ग्राम गाढ़ा थाना कोरांव प्रयागराज 2. मनीष कुमार सिंह पुत्र स्व0 चन्द्रभान सिंह ग्राम गाढ़ा थाना कोरांव प्रयागराज को गिरफ्तार कर,कब्जे से 83 शीशी (200रू) विन्डीज लाईम अवैध देशी शराब (कुल 16 लीटर 600रु) व 223 अदद खाली शीशी व 33 अदद ढक्कन बरामद की गयी । उक्त गिरफ्तारी /बरामदगी के संबंध में थाना शंकरगढ़ में मु0अ0सं0 199/2023 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया ।नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1. अजय कुमार पुत्र शिव प्रसाद निवासी ग्राम गाढ़ा थाना कोरांव प्रयागराज 2. मनीष कुमार सिंह पुत्र स्व0 चन्द्रभान सिंह ग्राम गाढ़ा थाना कोरांव प्रयागराज का विवरण- मु0अ0सं0 199/2023 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज । बरामदगी का विवरण- 83 शीशी (200रू) विन्डीज लाईम अवैध देशी शराब (कुल 16 लीटर 600रु), 223 अदद खाली शीशी व 33 अदद ढक्कन गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का विवरण-1. उ0नि0 सन्तोष कुमार सिंह थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज 2.आबकारी निरीक्षक नीरजा सिंह आबकारी क्षेत्र बारा जनपद प्रयागराज 3. का0 रामजीत यादव थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज 4. का0 विपिन कुमार चौधरी थाना शंकरगढ कमिश्नरेट प्रयागराज 5. का0 प्रभूनारायण पाण्डेय थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज 6. आबकारी आरक्षी आशुतोष शुक्ला आबकारी क्षेत्र बारा जनपद प्रयागराज ।

72 ताबूत जुलूस की तैयारियां शुरू

प्रयागराज । दरियाबाद से निकलने वाले 72 ताबूत जुलूस की तैयारियां शुरू हो गई हैं। अंजुमन खुद्दामे मोजिज़नुमा रजिस्टर्ड के तत्वावधान में इमामबाड़ा जद्दन मीर दरियाबाद से हज़रत इमाम हुसैन और साथियों की शहादत की याद में बहत्तर ताबूत जुलूस 10 सितंबर की सुबह नौ बजे निकाला जाएगा। मौलाना इन्तेज़ार आब्दी शहीद का जीवन परिचय प्रस्तुत करेंगे।

सीतापुर के महमूदाबाद स्टेट से जुलूस में शामिल होने वाली अंजुमन हैदरी, काफिलाए बनी असद का मंजर पेश करेगी। अंजुमन नकविया रजिस्टर्ड दरियाबाद यादे सकीना मनाते हुए दरियाबाद कब्रिस्तान में दो मख्सूस नौहे पढ़ेगी व जंजीर का मातम करेगी। सोमवार को अंजुमन खुद्दामे मोजिज़नुमा रजिस्टर्ड के अध्यक्ष रजा हसनैन एडवोकेट, उपाध्यक्ष एवं मीडिया निदेशक हाजी सैयद अज़ादार हुसैन पत्रकार वार्ता में 72 ताबूत के बारे में जानकारी दी। हजरत अब्बास का अलम लेकर अंजुमन गुन्चए कासिमिया बख्शी बाज़ार, मोहाफिजे अजा कदीम दरियाबाद, अंजुमन सदकाए ज़हरा करारी, अंजुमन असगरिया कदीम मंझनपुर, हैदरी महमूदाबाद समेत दर्जनों अंजुमन शिरकत करेंगी। दिल्ली से आए मौलाना नज़र मोहम्मद जैनबी तकरीर करेंगे।

पुरानी पेंशन के लिए शिक्षकों ने भरी हुंकार

प्रतापगढ़। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने सोमवार को बीएसए कार्यालय परिसर में पुरानी पेंशन के लिए हुंकार भरी। धरना देकर उनके साथ हो रहे अन्याय के जिम्मेदारों के खिलाफ जमकर अपनी नाराजगी जाहिर की। धरने को संबोधित करते हुए बेसिक संघ के जिलाध्यक्ष रमा शंकर शुक्ल ने कहा कि जब से देश व प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है तब से कर्मचारियों का निरतंर शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन हमारा अधिकार है इसे हम लेकर ही रहेंगे। इसके लिए केन्द्र से लेकर प्रदेश तक जो भी लड़ाई लड़नी होगी हम लड़ेंगे। आठ वर्षों से पदोन्नति से पदोन्नति नहीं हुई। शिक्षकों की कई न्याय संगत मांगों को आज तक नहीं माना गया है। शिक्षकों का शोषण चरम पर है। उन्होंने कहा कि नई पेंशन स्कीम जन प्रतिनिधियों को दिया जाए तो संघ इसका विरोध नहीं करेगा। सकूलों में पढ़ाई के अलावा सारे काम अध्यापकों से लिए जा रहे हैं। महामंत्री विनय सिंह ने कहा कि केन्द्र से लेकर प्रदेश के कर्मचारी आंदोलन की राह पर हैं। किन्तु सरकार मानने को तैयार नहीं है। मण्डलीय मंत्री अनिल पांडे ने कहा कि वर्ष 2017 से शिक्षकों के साथ अन्याय हो रहा है। सरकार का ध्यान केवल चुनाव पर रहता है। इस सरकार में कर्मचारी का शोषण मुख्य मोटो बन गया है। कई प्रकार के भत्ते बंद कर दिए गये हैं। शिक्षकों का शोषण सरकार को भारी पडेगी। सभा को शिक्षक नेता सत्य प्रकाश पांडे, राजेन्द्र पांडे समेत अन्य शिक्षकों ने भी संबोधित करते हुए मौजूदा सरकार को जमकर कोषा। इस दौरान पंकज तिवारी, अजीत, कमलेश कुमार, रामानंद सरोज, प्रभाकर सिंह, राकेश सिंह, संतोष मिश्र, बिंदु सिंह, स्वलेहा बानो, अंकिता सिंह, रूकमणी, सपना, साधना, प्रदीप पांडे समेत बड़ी संख्या में शिक्षिकाएं व शिक्षक मौजूद रहे।

शव ले जाने का रास्ता नहीं, बन रहा अंत्येष्टि स्थल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के नेबुआ नौरंगिया विकास खंड क्षेत्र के? खजुरी गांव में ग्राम पंचायत के तरफ से लाखों रुपए की लागत से अंत्येष्टि स्थल का निर्माण कराया जा रहा। लेकिन घाट पर जाने के लिए रास्ता न होने के कारण उसकी उपयोगिता पर सवालिया निशान लगने लगा हैं। क्षेत्रीय ग्रामीणो की माने तो यहा कभी दाह संस्कार ही नहीं हुआ है।बताया जाता है कि शासन ने ग्राम पंचायतों में शहरों की भांति गांव के लोगो को अंतिम संस्कार करने के लिए अंत्येष्टि स्थल का निर्माण करा रही हैं। उसी निर्मित खजुरी गांव में नरेगा व राज्य वित्त योजना के तहत लगभग 10 लाख रुपए की लागत से अंत्येष्टि स्थल का निर्माण कराया जा रहा है। जहां पर निर्माण हो रहा है। घाट पर जाने के लिए फिलहाल कोई रास्ता नहीं है। अंत्येष्टि स्थल के आगे से ड्रेन बह रहा है। जिस पर कोई पुल न होने के चलते वहां तक पहुंचना संभव नहीं है। मौजूदा समय में ड्रेन पर जुगाड़ से मचान बना कर निर्माण सामग्री पहुंचाई जा रही हैं। रास्ता न होने के चलते अभी से उसके उपयोगी पर सवाल उठने लगा हैं। जबकि इस अन्त्येष्टि स्थल से महज पांच सौ मीटर के दूरी पर ढोलहा ग्राम सभा मे श्मशान की जगह है। जहा गुलरिहा, कौवासार, पड़री मेहदिया, गढ़हिया आदि गांवो के शव जलाये जाते है। जिसका औचित्य अन्तेष्टि निर्माण के लिए नही समझा जा सका। लोगों का कहना है कि जब घाट पर जाने के लिए रास्ता ही नहीं है तो उस जगह पर अंत्येष्टि स्थल का चयन नहीं किए जाना चाहिए था। पहले सड़क उसके बाद निर्माण कार्य कराया जाना चाहिए था। इस संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनका मोबाइल स्विच ऑफ मिला।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी: श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार हुई कान्हा की नगरी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मथुरा। कान्हा की नगरी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उल्लास छाने लगा है। दूर दराज से श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया है। बढती भीड का अहसास प्रशासन और मंदिर प्रबंधनों को भी है। भीड को नियंत्रित करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंदिर प्रबंधन और जिला प्रशासन मुस्तैद है। सोमवार को अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन आगरा द्वारा पुलिस महानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र आगरा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा तथा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ श्रीकृष्ण जन्मभूमि सभागार में आगामी त्यौहार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के दृष्टिगत की गई यातायात व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, दर्शन आदि व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी की गई। श्रद्धालुओं व जनपद वासियों को किसी प्रकार की अव्यवस्था, असुविधा का सामना न करना पड़े इसके सम्बन्ध में सुझावों का आदान प्रदान किया गया व सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। बांके बिहारी मंदिर, रंगनाथ मंदिर, निधिवन, राधा रमन, राधा दामोदर सहित विभिन्न मंदिरों एक सप्ताह तक भीड़ का बेदह दबाव रहने वाला है। प्रशासनिक अनुमान है कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर देश विदेश के 15 से 20 लाख श्रद्धालुओं के आगमन की उम्मीद है। रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों का पहुंचना शुरू हो गया है। जन्माष्टमी पर सुरक्षा में 4500 पुलिस पीएसी के जवान की तैनात होगी। इसके अलावा 30 आतंकवाद निरोधक दस्ता के कमांडो सुरक्षा की कमान संभालेंगे। सुरक्षा की दृष्टि से छह जोन व 30 सेक्टर में बांटा जाएगा बांटा गया है। इस दौरान वाहन शहर में नहीं जा सकेंगे इसके लिए मथुरा और वृंदावन क्षेत्र में 12 से अधिक पार्किंग भी बनाई गई हैं। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर प्रबंधन ने एडवाइजरी जारी की है। मंदिर प्रबंधन ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर दर्शन, मंगला आरती का समय भी जारी कर दिया है। वहीं मंगला आरती के लाइव दर्शन को लेकर अभी कोई निर्णय नहीं लिया जा सका है। मंदिर प्रबंधन की ओर से अपील की गई है कि बच्चे, वृद्ध, दिव्यांग और मरीजों को साथ न लाएं। इसके अलावा मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं को बैग, कीमती सामान न लाने की अपील की है। प्रमुख त्योहार होने के कारण दर्शनार्थियों को वृंदावन में ट्रैफिक जाम एवं गलियों में भीड़ के अत्यधिक दबाव की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। अतः अनावश्यक समस्याओं से बचने हेतु भीड़ की स्थिति का आकलन करने पश्चात ही वृंदावन पधारें। श्रद्धालु अपने परिजनों की जेब में पता एवं फोन नंबर की पर्ची अवश्य रखें ताकि बिछुड़ने पर आपको सूचित किया जा सके। श्रद्धालु भीड़ के दौरान मंदिर में छोटे बच्चों, वृद्धि, दिव्यांग एवं मरीजों को न लायें। गर्मी के दौरान उपवास रखने एवं डॉक्टरी परामर्श अनुसार समुचित दवा न लेने से वृद्ध दर्शनार्थियों विशेष रूप से महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न होती है, अतः डॉक्टरी परामर्श, दवा एवं चिकित्सा लाभ लेने उपरांत ही मंदिर पधारें। अत्यधिक भीड़ वाले स्थानों पर जाने से परहेज रखें।

मथुरा वृंदावन रेल लाइन को लेकर सौंपा ज्ञापन

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के बैनर तले सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर रेल मंत्री के नाम ज्ञापन राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश शर्मा के नेतृत्व में दिया गया। जिसमें मथुरा वृंदावन रेल लाइन को मिट्टी डालकर ऊंचा नहीं कर पिलर पर स्थापित करने की मांग की। राष्ट्रीय महामंत्री संगठन अश्विनी कुमार शर्मा ने कहा कि श्री कृष्ण नगरी मथुरा एक विश्व विख्यात धर्मस्थली है। इस तरह से दो भागों में बंट जाएगा जो यहां का विकास बहुत ही सोच समझ कर एवं नगर की भौगोलिक स्थिति का ज्ञान करते हुए होना चाहिए। जिस प्रकार रेलवे इस समय कार्य कर रहा है अंडरपास के द्वारा नगर को नर्क बना दिया जाएगा लाखों श्रद्धालुओं की आस्था मथुरा वृंदावन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि शासन या तो मेट्रो की तर्ज पर निर्माण करें अन्यथा पिलर पर कार्य हो नीचे सड़क का निर्माण अति आवश्यक है जिला मजिस्ट्रेट प्रतिनिधि ने ज्ञापन को रेल मंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से पं राजेश पाठक पं. पीके गौतम दिनेश शर्मा देवेंद्र कुमार एडवोकेट पवन मुखिया विद्यासागर गौतम मुनेश प्रधान पवन सिंह राम सिंह सूबेदार नरेश ठाकुर आदि उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादक:-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।